गुस्ताखी माफ

अभी सिर्फ.अप्रैल है, लगा उबलने खून।
इसके आगे है मई, बाद मई के जून।
बाद मई के जून, पड़ेगी असली वाली।
सब-कुछ देगी भून, जून की हीट निराली।
कह साहिल कविराय, रखें तबियत में नर्मी।
अभी रहे क्या कूद, अभी आनी है गर्मी।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 101 | WEDNESDAY 22-04-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

पहले दिल जीता, फिर दौलत : 'पिग बुचरिंग' स्टाइल में फंसे हाईप्रोफाइल कारोबारी से हड़पे 20 करोड़

फेसबुक पर 'अनामिका' बनी जाल, प्यार-भरोसे इमोशनल रिलेशनशिप से फंसाया

लुधियाना/यूटर्न/21 अप्रैल। पंजाब में साइबर अपराध का अब तक का सबसे हैरानी जनक मामला सामने आया है, जहां 'हनी ट्रैप' और 'पिग बुचरिंग' तकनीक के जरिए लुधियाना के ईस्टमैन ग्रुप के एक नामी डायरेक्टर सिंघल से करीब 20 करोड़ रुपये की ठगी कर ली गई। इसे 'पिग बुचरिंग' स्टाइल से प्रदेश के इतिहास में किसी एक व्यक्ति के साथ हुई सबसे बड़ी डिजिटल ठगी माना जा रहा है।

फेसबुक से शुरू हुए 'अनामिका हनी ट्रैप' में इमोशनल संबंध बनाकर किया आर्थिक शोषण

मई 2025 में फेसबुक पर 'अनामिका रॉय' नाम की महिला प्रोफाइल से आई फ्रेंड रिक्वेस्ट इस पूरे फ्रॉड की शुरूआत बनी। शुरूआत में सामान्य बातचीत, फिर इमोशनल चैट, निजी जुड़ाव और भरोसे का रिश्ता—ठग महिला ने बेहद योजनाबद्ध तरीके से कारोबारी को अपने जाल में फंसा लिया। जांच में सामने आया कि यह सिर्फ दोस्ती नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हनी ट्रैप ऑपरेशन था, जिसमें इमोशनल संबंध बनाकर आर्थिक शोषण किया गया।

क्या है 'पिग बुचरिंग स्कैम' ?

'पिग बुचरिंग स्कैम' एक सुनियोजित ऑनलाइन निवेश ठगी है, जिसमें साइबर अपराधी पहले सोशल मीडिया या मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए पीड़ित से दोस्ती या रोमांटिक संबंध बनाकर उसका विश्वास जीतते हैं। इसके बाद उन्हें नकली क्रिप्टोकरेंसी या निवेश योजनाओं में मोटे मुनाफे का लालच देकर पैसे लगाने के लिए उकसाया जाता है और अंत में पूरी रकम हड़प ली जाती है।

मुनाफा मांगते ही दिखाया असली चेहरा

जब कारोबारी ने पैसे निकालने की कोशिश की, तो ठगों ने सिस्टम एरर, टैक्स और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर और पैसे मांगे। आखिर में उन्हें टेरर फंडिंग और फर्जी RBI नोटिस का डर दिखाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और चुप रहने के लिए मजबूर किया गया।

'क्रिप्टो क्वीन' बनकर दिखाए रातों-रात अमीर बनने के सपने

भरोसा कायम होने के बाद महिला ने खुद को 'क्रिप्टो एक्सपर्ट' बताते हुए कारोबारी को निवेश के लिए तैयार किया। उसे Qoinex-VIP 2 नाम की एक क्लोन वेबसाइट पर ई-वॉलेट बनाने को कहा गया, जो देखने में किसी अंतरराष्ट्रीय ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जैसी लगती थी। वेबसाइट पर फर्जी बैलेंस शीट में करोड़ों का मुनाफा दिखाया जाता रहा, जिससे पीड़ित कारोबारी को लगा कि उसका निवेश तेजी से बढ़ रहा है। इसी झांसे में आकर कारोबारी ने 15 बैंकों के 76 खातों में अपनी पूरी जमा पूंजी सहित बैंकों से ली गई लोन राशि ट्रांसफर कर दी।

रिलेशनशिप, लालच और धोखा–'पिग बुचरिंग' का क्लासिक केस

साइबर एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह मामला 'पिग बुचरिंग स्कैम' का सटीक उदाहरण है, जिसमें पहले शिकार को प्यार, भरोसा और मुनाफे के झूठे सपनों से 'तैयार' किया जाता है और फिर एक ही झटके में पूरी रकम हड़प ली जाती है।

DGP को शिकायत, जांच में बड़ा खुलासा

ठगी का एहसास होने पर पीड़ित कारोबारी ने DGP को शिकायत दी, जिसके बाद मोहाली साइबर सेल ने जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि ठगों ने पैसे को छिपाने के लिए 76 'म्यूल अकाउंट्स' का इस्तेमाल किया और रकम को छोटे-छोटे हिस्सों में अलग-अलग शहरों में ट्रांसफर किया, ताकि पुलिस की पकड़ से बचा जा सके।

गूगल पर टॉप ट्रेंडिंग में रही 'अनामिका रॉय'

ईस्टमैन ग्रुप के डायरेक्टर सिंघल के साथ ठगी करने वाली अनामिका राय दिन भर गूगल पर टॉप ट्रेंडिंग में रही। जैसे ही ठगी का मामला उजागर हुआ मानो हर कोई फेस बुक एवं गूगल पर अनामिका राय को सर्च करता नजर आया। हर कोई जानना और देखना चाहता था की आखिर किस शातिर हसीना ने इतने बड़े कारोबारी से ठगी को अंजाम दिया।

जीरकपुर में अवैध होर्डिंग्स पर हाईकोर्ट सख्त, तुरंत हटाने के आदेश

नगर काउंसिल को कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने के निर्देश, 8 मई को अगली सुनवाई

जीरकपुर/यूटर्न/21 अप्रैल। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने जीरकपुर में अवैध होर्डिंग्स और विज्ञापन बोर्डों के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए नगर काउंसिल को तुरंत इन्हें हटाने के आदेश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल फ्लेक्स ही नहीं, बल्कि पूरी संरचनाओं (स्ट्रक्चर) को भी हटाया जाए। सुनवाई के दौरान अदालत ने शहर में बड़े पैमाने पर लगे अवैध होर्डिंग्स पर चिंता जताई। याचिका में बताया गया कि जीरकपुर-अंबाला और जीरकपुर-पटियाला मार्ग सहित कई स्थानों पर दुकानों, रिहायशी मकानों, इमारतों की छतों और सार्वजनिक जगहों पर नियमों के विरुद्ध बड़े-बड़े विज्ञापन बोर्ड लगाए गए हैं। हाईकोर्ट ने नगर काउंसिल के कार्यकारी अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि इस मामले में तुरंत अभियान चलाकर सभी अवैध होर्डिंग्स, यूनिपोल और बैनर हटाए जाएं। साथ ही, की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट तस्वीरों सहित अगली सुनवाई से पहले अदालत में पेश करने को कहा गया है। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि रिहायशी क्षेत्रों, विरासत स्थलों, ट्रांसपोर्ट हब और फ्लाईओवर जैसे संवेदनशील स्थानों पर विज्ञापन लगाने पर आमतौर पर पाबंदी होती है, इसके बावजूद नियमों की अनदेखी की जा रही है। मामले की अगली सुनवाई 8 मई को निर्धारित की गई है। हाईकोर्ट के इस सख्त रुख के बाद अब नगर काउंसिल पर शहर को अवैध होर्डिंग्स से मुक्त कराने का दबाव बढ़ गया है, जिससे ट्रैफिक सुरक्षा और शहर की सुंदरता में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

Uturn Time 22 Apr 2026_Layout 2 21-04-2026 23:24 Page 2

पंजाब में 5 दिन बिजली कटौती का अलर्ट, कई शहर होंगे प्रभावित

चंडीगढ़/लुधियाना, 21 अप्रैल। पंजाब में आने वाले दिनों में लोगों को लंबी बिजली कटौती का सामना करना पड़ सकता है। पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (PSPCL) द्वारा जारी पब्लिक नोटिस के अनुसार, 21 अप्रैल से 26 अप्रैल तक राज्य के कई जिलों में रोजाना 8 से 10 घंटे तक बिजली कटौती की संभावना है। लुधियाना, जालंधर, अमृतसर, बठिंडा, पटियाला और मोहाली जैसे प्रमुख शहर इस कटौती से प्रभावित रहेंगे। विभाग के अनुसार, कुछ क्षेत्रों में यह कटौती 3 दिन तक, जबकि कई इलाकों में 5 से 6 दिन तक जारी रह सकती है। पावरकॉम के मुताबिक, फिलहाल राज्य में बिजली की मांग करीब 6,000 मेगावाट है, जबकि उत्पादन लगभग 3,300 मेगावाट ही हो पा रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए करीब 2,700 मेगावाट बिजली सेंट्रल पूल से खरीदी जा रही है। विभाग का कहना है कि यह कटौती मेंटेनेंस कार्यों के चलते की जा रही है, जिससे भविष्य में बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाया जा सके।

तारीख अनुसार कटौती का शेड्यूल इस प्रकार है

21 अप्रैल : मोहाली (10 से 3), लुधियाना (10 से 5), अमृतसर (10 से 2), पटियाला (1 से 5), बठिंडा (9 से 2)

22 अप्रैल : मोहाली (10 से 2 और 10 से 6), लुधियाना (10 से 5), अमृतसर (10 से 4), बठिंडा (9 से 2)

23 अप्रैल : जीरकपुर (9 :30 से 5 :30), लुधियाना (10 से 2), पटियाला (10 से 6), बठिंडा (10 से 3)

24 अप्रैल : लुधियाना (10 से 2), अमृतसर (10 से 3), पटियाला (10 से 6), बठिंडा (औद्योगिक क्षेत्रों में कटौती)

25 अप्रैल : लुधियाना (10 से 2), अमृतसर (10 से 2), पटियाला (10 से 6), बठिंडा (9 से 2)

26 अप्रैल : मोहाली (10 से 2), जीरकपुर (9 :30 से 5), लुधियाना (10 से 2), पटियाला (1 से 5)

पावरकॉम ने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित शेड्यूल के अनुसार अपने जरूरी कार्य पहले ही निपटा लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

जब अपराध ही विषय बन जाता है: 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' और भारतीय स्क्रीन का नया व्याकरण

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। ZEE5 पर स्ट्रीम होने वाली आगामी डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' सच्ची अपराध कहानियों की सूची में महज एक और कड़ी नहीं है—यह भारतीय कहानी कहने की दिशा का प्रतिबिंब है। लॉरेंस बिश्नोई के जीवन को केंद्र में रखकर, यह सीरीज उन कहानियों की बढ़ती मांग को पूरा करती है जो रिपोर्टिंग और मनोरंजन के बीच की रेखा को धुंधला कर देती हैं। दशकों तक, भारतीय टेलीविजन एक निश्चितता पर फलता-फूलता रहा: घरेलू गाथाएँ, नैतिक स्पष्टता और सुव्यवस्थित रूप से सुलझाए गए संघर्ष। डळळ प्लेटफॉर्म ने उस आराम को भंग कर दिया है। अब हम उनकी जगह अस्पष्टता में डूबी कहानियाँ देखते हैं—अपराध, सत्ता और समकालीन भारत की असहज वास्तविकताएँ। राघव डार द्वारा निर्देशित 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' इसी बदलाव के संदर्भ में खुद को स्थापित करती है और न केवल उस व्यक्ति बल्कि उसके पीछे की मशीनरी की भी पड़ताल करने का वादा करती है: छात्र राजनीति, सामाजिक परिवेश और डिजिटल सिंडिकेट का उदय।

यह बदलाव आकस्मिक नहीं है। आज के दर्शक ऐसी काल्पनिक कहानियों को कम पसंद करते हैं जो वास्तविक अनुभवों से कटी हुई लगती हैं। सच्ची अपराध कथाएँ तात्कालिकता और वास्तविक घटनाओं से निकटता का अहसास कराती हैं, जो अक्सर स्क्रिप्टेड ड्रामा में नहीं होता। यह दर्शकों को न केवल देखने के लिए, बल्कि निर्णय लेने, अनुमान लगाने और भाग लेने के लिए भी

आमंत्रित करती है। ऐसा करके, यह अपराध को एक साझा सांस्कृतिक संवाद में बदल देती है। लेकिन इस बदलाव के साथ जोखिम भी जुड़े हैं।

ऐसी श्रृंखलाओं को आकर्षक बनाने वाले तत्व—सटीक कथानक, नाटकीय गति, प्रभावशाली दृश्य—उनके पात्रों को जीवन से भी बड़ा बना सकते हैं। खतरा सूक्ष्म है लेकिन महत्वपूर्ण है: जब कहानी किसी अपराधी के आकर्षण के इर्द-गिर्द घूमने लगती है, तो यह अनजाने में उसके मिथक को तोड़ने के बजाय उसे और मजबूत कर सकती है।

'लॉरेंस ऑफ पंजाब' के निमार्ताओं ने संकेत दिया है कि उनका इरादा महिमामंडन से बचना और इसके बजाय व्यवस्थागत कारकों पर ध्यान केंद्रित करना है। यदि श्रृंखला इसमें सफल होती है, तो यह भारतीय सामग्री में एक महत्वपूर्ण विकास का प्रतीक हो सकती है—एक ऐसा विकास जहाँ कहानी कहने का तरीका केवल व्यक्तियों पर प्रकाश डालने के बजाय संरचनाओं पर सवाल उठाता है। इससे दर्शकों को उन परिवेशों के बारे में और भी गंभीर प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित किया जा सकता है जो ऐसे व्यक्तित्वों को जन्म देते हैं।

फिर भी, व्यापक रुझान सावधानी बरतने का संकेत देता है। एक ही व्यक्ति पर आधारित कई परियोजनाओं का उदय एक ऐसे बाजार की ओर इशारा करता है जो जिज्ञासा के साथ-साथ आकर्षण से भी प्रेरित है। अपराध साहित्य बिकता है, और ध्यान आकर्षित करने की होड़ में सूक्ष्मता उपेक्षित हो सकती है। इसलिए, हम जो देख रहे हैं वह केवल शैली में बदलाव नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता में भी बदलाव है। भारतीय स्क्रीन अब पलायनवाद से हटकर जुड़ाव की ओर बढ़ रही हैं—लेकिन अंतर्दृष्टि और कौतूहल के बीच का संतुलन अभी भी नाजुक बना हुआ है।

'लॉरेंस ऑफ पंजाब' ऐसे समय में आया है, जब इसी संतुलन की परीक्षा हो रही है। यह हमारी समझ को गहरा करता है या केवल हमारी जिज्ञासा को शांत करता है—यही बात न सिर्फ. इसकी सफलता, बल्कि भारतीय टेलीविजन की लगातार बदलती कहानी में इसके महत्व को भी तय करेगी।

नीदरलैंड्स दौरा : फूड प्रोसेसिंग से मैन्युफैक्चरिंग तक, निवेशकों को लुभा रहा पंजाब

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने निवेश को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने के लिए अपनी वैश्विक पहल को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में उन्होंने नीदरलैंड्स इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड ट्रेड के साथ रणनीतिक बैठक कर दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और निवेश बढ़ाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब वैल्यू एडिशन, निर्यात आधारित विकास और वैश्विक सप्लाई चेन से जुड़ने पर विशेष ध्यान दे रहा है, खासकर फूड प्रोसेसिंग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में। उन्होंने नीदरलैंड की कंपनियों को पंजाब में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए राज्य की निवेश-अनुकूल नीतियों और मजबूत औद्योगिक ढांचे को रेखांकित किया।

हेग में आयोजित निवेश रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री ने पंजाब की औद्योगिक क्षमता, कुशल मानव संसाधन और आधुनिक बुनियादी ढांचे को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सिंगल विंडो क्लीयरेंस और फास्ट ट्रैक पंजाब पोर्टल के माध्यम से निवेशकों को तेज और पारदर्शी सेवाएं दे रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रवासी पंजाबियों से भी मुलाकात कर उन्हें राज्य के विकास में भागीदार बनने का आह्वान किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

लुधियाना

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

03 बुधवार, 22 अप्रैल 2026

पेज 06 रचनात्मकता दिवस पर NCC कैडेट्स ने दिखाया हुनर...

1,500 किलो संदिग्ध देसी घी बरामद, स्टॉक जप्त, 4 सैंपल जांच के लिए भेजें

अशोक सहगल

लुधियाना, यूटर्न 21 अप्रैल। गुप्त सूचना के आधार पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा गिल चौक के पास एक दुकान पर अचानक छापेमारी कर लगभग 1,500 किलो संदिग्ध देसी घी बरामद किया, जिसे खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए संग्रहित और वितरित किया जा रहा था। घी के स्टॉक को जप्त कर इसके चार सैंपल लेकर जांच के लिए भेजें है मौके पर उपस्थित जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आशीष चावला ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह सामग्री हाल ही में किसी अन्य राज्य से लाई गई थी और लुधियाना के विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई की जा रही थी।

विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और आगे की जांच जारी है। निरीक्षण के दौरान टीम ने विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल चार सैंपल प्रयोगशाला जांच के लिए भरे। इनमें दो सैंपल देसी घी के, एक सैंपल स्किम्ड मिल्क का जो एक्सपायर पाया गया, और एक सैंपल मल्टी-सोर्स खाद्य तेल का शामिल है। मौके पर यह भी पाया गया कि कुछ उत्पाद वर्ष 2024 में ही एक्सपायर हो चुके थे, फिर भी उन्हें वितरण के लिए रखा गया था। यह छापेमारी करने वालों में जिला

घी की जांच करते हुए जिला स्वास्थ्य अधिकारी नीचे जप्त स्टॉक मौके पर पहुंची सिविल सर्जन

स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष चावला, फूड सेफ्टी अधिकारी योगेश गोयल और जतिंदर विरक शामिल थे। सिविल सर्जन डॉ. रमणदीप कौर ने कहा, 'विभाग आम जनता को उपलब्ध खाद्य पदार्थों की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।' जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष चावला ने कहा, जब्त सामग्री और लिए गए सैंपलों की पूरी तरह जांच की जाएगी। लैब रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और इस प्रकार की गतिविधियों को रोकने के लिए निरंतर निगरानी जारी रखी जाएगी।

उन्होंने लोगों से अपील की की कहानी पर भी मिलावट खोरी और घटिया खाद्य पदार्थों के निर्माण में बिक्री का पता चले तो तुरंत उन्हें सूचित करें स्वास्थ्य विभाग द्वारा फूड सेफ्टी एंड स्टैंडडर्स एक्ट के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और आगे की जांच जारी है।

नगर परिषद चुनाव का बिगुलः जगरांव की सभी सीटों पर 'अकेले' लड़ेगी भाजपा

जल्द आएगी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, मलक चौक स्थित मुख्य दफ्तर में हुई अहम बैठक

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/21/अप्रैल। आने वाले नगर परिषद चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी कमर कस ली है। मंगलवार को जीटी रोड मलक चौक स्थित भाजपा के मुख्य कार्यालय में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक बुलाई गई। इसमें साफ कर दिया गया कि भाजपा इस बार किसी के सहारे नहीं, बल्कि अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरेगी।

बैठक की बड़ी बातें: मिशन-2026 की तैयारी

सभी वार्डों पर फोकस: भाजपा जगरांव के सभी वार्डों में अपने उम्मीदवार खड़े करेगी।

सिर्फ 'क्लीन इमेज' को टिकट: जिला अध्यक्ष डॉ. रजिंदर शर्मा ने स्पष्ट किया कि पार्टी केवल उन्हीं उम्मीदवारों को टिकट देगी जिनकी छवि साफ-सुथरी है और जिनमें चुनाव जीतने का दम है। घर-घर पहुंचेगी केंद्र की

योजनाएं: पार्टी कार्यकर्ता केंद्र सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी नीतियों को लेकर जनता के बीच जाएंगे।

शॉर्टलिस्टिंग जारी: उम्मीदवारों के चयन के लिए स्क्रीनिंग का काम अंतिम चरण में है, जल्द ही पहली सूची जारी कर दी जाएगी। भाजपा अपने दम पर चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमारे कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। इस बार चुनाव में केंद्र सरकार के विकास कार्यों और हमारी नीतियों की जीत होगी: डॉ. रजिंदर शर्मा, जिला अध्यक्ष (भाजपा) बैठक में ये दिग्गज रहे मौजूद इस चुनावी मंथन के दौरान मुख्य रूप से गेजा राम बालमीकि, गुरसिमरन सिंह, सतीश कुमार पप्पू, टोनी वर्मा, गौरव गुप्ता, कृष्ण कुमार, विवेक भारद्वाज, शंटी चोपड़ा, डॉ. निर्मल भुल्लर, सुरेश गर्ग, राजपाल जैन, हैप्पी कुमार, गुरतेज सिंह गेजा, जतिंदर कुमार मिद्ध, अनुज शर्मा, हरविंदर कुमार, आत्मा सिंह, कपिल प्रजापति और प्रदीप खन्ना सहित कई प्रमुख नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लुधियाना की राजनीति में हलचल, बीजेपी पूर्व प्रधान की पोस्ट से उठे सवाल

सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट वायरल, संगठन में अंदरूनी खींचतान के संकेत

लुधियाना/यूटर्न/21 अप्रैल। राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब जिला भाजपा के पूर्व प्रधान डॉक्टर सुभाष वर्मा की सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट तेजी से वायरल हो गई। इस पोस्ट में उन्होंने संगठन के भीतर चल रही खींचतान, मानसिक दबाव और कार्यकर्ताओं के साथ हो रहे व्यवहार पर सवाल उठाए हैं।

पोस्ट में झलका दर्द और नाराजगी

सुभाष वर्मा ने अपनी पोस्ट में लिखा कि वह मानसिक रूप से व्याकुल और चिंतित हैं। उन्होंने इशारों-इशारों में आरोप लगाया कि संगठन में समर्पित कार्यकर्ताओं को राजनीति के नाम पर परेशान किया जा रहा है और उनके चरित्र पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

'राजदरबार' वाली राजनीति पर उठाए सवाल

पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि एक कार्यकर्ता कड़ी मेहनत और समर्पण के बाद संगठन में स्थान बनाता है, लेकिन इसके बाद उसे 'राजदरबार' जैसी राजनीति, खींचतान और कान भराई का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इसे 'राजनीति के नाम पर शर्मनाक' बताया।

कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर

वर्मा ने चिंता जताई कि ऐसी स्थिति में सच्चे और निष्ठावान कार्यकर्ता या तो पार्टी छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं या फिर सक्रिय राजनीति से दूर हो जाते हैं, जिससे संगठन को नुकसान होता है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज

इस पोस्ट के सामने आने के बाद लुधियाना के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि पार्टी की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन अंदरूनी असंतोष के संकेत जरूर नजर आ रहे हैं।

देहलों तहसील में बिना NOC प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के आरोप, विजिलेंस जांच की मांग

लुधियाना /यूटर्न/21 अप्रैल। देहलों तहसील में बिना अनिवार्य एनओसी (No Objection Certificate) के प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन किए जाने के आरोप सामने आए हैं, जिससे क्षेत्र में चिंता का

माहौल है। स्थानीय निवासियों ने इस मामले की विजिलेंस जांच की मांग की है। स्थानीय निवासी कुलदीप सिंह खैरा ने पंजाब के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत भेजते हुए आरोप लगाया है कि कई कॉलोनियों में सक्षम प्राधिकरण से जरूरी एनओसी लिए बिना ही रजिस्ट्री की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार की स्पष्ट हिदायतों के बावजूद नियमों का उल्लंघन कर बिक्री दस्तावेज तैयार किए गए, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायतकर्ता ने बिना एनओसी किए गए सभी रजिस्ट्रेशनों की विस्तृत रिपोर्ट सार्वजनिक करने और इस तरह की अनियमितताओं पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। वहीं, स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस तरह की प्रथाओं से अनधिकृत और अव्यवस्थित विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे सड़कों, सीवरेज और जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं पर दबाव बढ़ेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि बिना वैध मंजूरी के खरीदी गई संपत्तियों में भविष्य में कानूनी दिक्कतें आ सकती हैं।

लुधियाना में प्रॉपर्टी विवाद को लेकर प्रेस वार्ता, विधायक पर लगाए गंभीर आरोप

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। लुधियाना में प्रॉपर्टी विवाद को लेकर चंडीगढ़ में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में प्रसिद्ध रागी भाई हरबंस सिंह जगाधरी वाले के पोते गुरजोत सिंह ने विधायक कुलवंत सिद्धू पर गंभीर आरोप लगाए। गुरजोत सिंह ने दावा किया कि उनसे दबाव बनाकर समझौते का वीडियो बनवाया गया। गुरजोत सिंह ने कहा कि उनके परिवार के प्लॉट विवाद में विधायक की भूमिका अहम है। उनका आरोप है कि जब उन्होंने मामले को मीडिया में उठाना शुरू किया तो उन्हें भरोसा दिलाया गया कि पुलिस केस दर्ज करेगी। इसके बाद एक वीडियो रिकॉर्ड कराया गया, जिसमें दोनों पक्षों के बीच समझौता होने की बात दिखाई गई।

प्रेस वार्ता के दौरान गुरजोत सिंह ने ऑडियो रिकॉर्डिंग और सीसीटीवी फुटेज होने का दावा भी किया। उन्होंने कहा कि उन्हें घर से यह कहकर ले जाया गया कि पुलिस थाने चलना है, लेकिन थाने की बजाय विधायक के पास ले जाया गया, जहां वीडियो रिकॉर्ड किया गया। गुरजोत सिंह के मुताबिक उनके परिवार के पास करीब 2000 गज का प्लॉट है, जिसे उनके दादा भाई हरबंस सिंह ने खरीदा था। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा समय में जमीन की कीमत करीब 20 करोड़ रुपये है और कुछ लोग इस पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्हें विधायक का संरक्षण मिल रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस जमीन से जुड़े रिकॉर्ड में दो रजिस्ट्रियां दर्ज हैं, जो संभव नहीं है। गुरजोत सिंह ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। हालांकि विधायक कुलवंत सिद्धू की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

दीवान का मान सरकार पर हमला: बिजली कटौती से 'पावर सरप्लस' दावों पर सवाल

लुधियाना /यूटर्न/21 अप्रैल। जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) के पूर्व अध्यक्ष पवन दीवान ने पंजाब में बढ़ती बिजली कटौती को लेकर भगवंत मान सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि गर्मी की शुरूआत में ही 8-10 घंटे के कट लगना 'शर्मनाक' है, जबकि अभी धान सीजन भी शुरू नहीं हुआ। दीवान के अनुसार, पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (PSPCL) ने 21 से 28 अप्रैल तक लुधियाना समेत जालंधर, अमृतसर, बठिंडा और पटियाला में लंबी कटौती का शेड्यूल जारी किया है। इससे आम लोगों की दिनचर्या और घरेलू जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सरकार के 'पावर सरप्लस' दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब राज्य के पास लगभग 14,500 मेगावाट बिजली उपलब्ध है और मांग 6,000-9,000 मेगावाट के बीच है, तो फिर कटौती क्यों की जा रही है। उन्होंने आशंका जताई कि कहीं सरकार राजस्व के लिए बिजली बेचकर जनता को परेशानी में तो नहीं डाल रही। दीवान ने कहा कि भीषण गर्मी में 42 डिग्री तापमान के बीच लोग परेशान हैं, खासकर बुजुर्ग और बच्चे। उन्होंने चेतावनी दी कि धान सीजन में हालात और बिगड़ सकते हैं और सरकार से निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

वीआईपी सुरक्षा घटाओ, जनता को बढ़ाओ: शहर में पुलिस तैनाती पर उठे सवाल

लुधियाना, यूटर्न 21 अप्रैल। शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई बहस छिड़ गई है। आम आदमी पार्टी से जुड़े नेता और समाजसेवी **Ravinder Pal Singh Ghai** ने वीआईपी सुरक्षा की समीक्षा कर आम जनता को प्राथमिकता देने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल का बड़ा हिस्सा निजी सुरक्षा ड्यूटी में लगा होने के कारण शहर की जन सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। घई ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे को पहले डीजीपी कार्यालय के समक्ष उठाया था, जिसके बाद कुछ समय के लिए क्षेत्र में पीसीआर वाहन तैनात किए गए, लेकिन यह व्यवस्था लंबे समय तक नहीं चल पाई। इसके बाद उन्होंने सीएम पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक विभाग द्वारा बयान के लिए बुलाए जाने पर यह स्पष्ट हुआ कि पुलिस विभाग जनता की सेवा के प्रति प्रतिबद्ध है, लेकिन स्टाफ की कमी बड़ी चुनौती बनी हुई है। शहर में पीसीआर बाइक और वाहन पर्याप्त हैं, पर उन्हें चलाने के लिए कर्मियों की कमी है। घई ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी विभिन्न संगठनों और नेताओं की सुरक्षा में तैनात हैं, जिससे कानून-व्यवस्था पर असर पड़ता है। उन्होंने मांग की कि केवल वास्तविक जरूरतमंदों को ही सरकारी सुरक्षा दी जाए और अनावश्यक सुरक्षा लेने वालों से इसकी लागत वसूली जाए, ताकि आम जनता को बेहतर सुरक्षा मिल सके।

डेडलाइन बीती, कार्रवाई नहीं– जीरकपुर नगर परिषद पर उठे सवाल

ढकोली के प्ले स्कूल को सील करने के आदेश ठंडे बस्ते में, चार नोटिस भी रहे बेअसर

मेजर अली

जीरकपुर/यूटर्न/21 अप्रैल। जीरकपुर में नगर परिषद की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। विभाग की सुस्ती का आलम यह है कि खुद तय की गई डेडलाइन बीतने के पांच दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। मामला ढकोली स्थित एक प्ले स्कूल को सील करने का है, जिस पर परिषद ने कई नोटिस जारी किए, लेकिन अमल नहीं हो पाया।

जानकारी के अनुसार ढकोली के हिल व्यू (मकान नंबर-5) में बिना मंजूरी एक प्ले स्कूल चलाया जा रहा है। जांच में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने के बाद नगर परिषद ने कार्रवाई शुरू की और एक के बाद एक चार नोटिस जारी किए। पहला नोटिस सितंबर 2025 में भेजा गया, जबकि दिसंबर में दो बार पत्र जारी हुए। अंतिम नोटिस में 16 अप्रैल 2026 तक बिल्डिंग खाली करने का अल्टीमेटम दिया गया था। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि तय समय तक परिसर खाली न करने पर बिना किसी अतिरिक्त सूचना के भवन को सील कर दिया जाएगा।

तारीख निकल गई, नहीं पहुंचा दस्ता...हैरानी की बात यह है कि 21 अप्रैल तक भी मौके पर कोई टीम कार्रवाई के लिए नहीं पहुंची। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। लोगों के बीच यह चर्चा भी है कि कहीं किसी प्रभाव के चलते अधिकारी अपने ही आदेशों को लागू करने से पीछे तो नहीं हट रहे।

क्या कहते हैं लोग?...स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि नगर परिषद को कार्रवाई नहीं करनी थी, तो बार-बार नोटिस जारी कर लोगों को गुमराह क्यों किया गया। उनका कहना है कि केवल कागजी कार्रवाई से अवैध निर्माण और बिना मंजूरी चल रहे संस्थानों पर रोक नहीं लग सकती। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या परिषद के आदेशों की कोई अहमियत नहीं रह गई है या फिर नियमों को नजरअंदाज किया जा रहा है। इस पूरे मामले ने नगर परिषद की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि विभाग कब तक कार्रवाई करता है और अपने ही आदेशों को लागू करता है।

डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने तिवाणा में घग्गर बांध का किया निरीक्षण

नदी चौड़ी करने व बांध मजबूत करने की योजना पर चर्चा, बाढ़ से बचाव के लिए दिए निर्देश

डेराबस्सी/यूटर्न/21 अप्रैल। जिला साहिबजादा अजीत सिंह नगर की डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने मंगलवार को एसडीएम डेराबस्सी अमित गुप्ता और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ गांव तिवाणा में घग्गर नदी के बांध की मजबूती को लेकर दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संभावित कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने घग्गर नदी को चौड़ा करने के साथ-साथ मौजूदा रिवेटमेंट की मरम्मत और मजबूती का प्रस्ताव रखा, जिस पर जिला प्रशासन ने सकारात्मक विचार किया। प्रस्ताव के अनुसार गांव तिवाणा में नदी की बुर्जी आरडी 33500 के डाउनस्ट्रीम से गांव की सीमा तक नदी की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी।

इसके साथ ही नदी की खुदाई से निकलने वाली मिट्टी का उपयोग रिवेटमेंट के पीछे एक मजबूत बांध बनाने में किया जाएगा। प्रस्तावित बांध करीब 40 फुट चौड़ा होगा और इसकी लंबाई रिवेटमेंट के अनुरूप रखी जाएगी, जिससे बांध को अतिरिक्त मजबूती मिल सके। आवश्यकतानुसार रिवेटमेंट की मरम्मत भी की जाएगी। ग्रामीणों ने इस योजना को लेकर सहमति जताई और आश्वासन दिया कि नदी क्षेत्र में आने वाली निजी जमीन से मिट्टी उठाने के लिए भूमि मालिकों से अनुमति दिलाने में सहयोग करेंगे। पंचायतों ने भी इस कार्य के लिए पूर्ण समर्थन दिया। डिप्टी कमिश्नर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी कार्य जल्द शुरू किए जाएं और तकनीकी मानकों का पूरा ध्यान रखा जाए, ताकि आने वाले मानसून को देखते हुए संभावित बाढ़ के खतरे से समय रहते निपटा जा सके।

चंडीगढ़

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

05 बुधवार, 22 अप्रैल 2026

पेज 12 INDIA गठबंधन की कमान राहुल के बजाय प्रियंका...

मेयर सौरभ जोशी सड़कों पर उतरे, सेक्टर-7, सेक्टर-26 और एसटीपी रायपुर खुर्द में नागरिक सुविधाओं का लिया जायजा

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने सोमवार को नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा के साथ सेक्टर-7, सेक्टर-26 और वार्ड नंबर-8 स्थित एसटीपी रायपुर खुर्द का दौरा कर विकास कार्यों और नागरिक समस्याओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। सेक्टर-7 और सेक्टर-26 के मार्केट एरिया में सड़कों और गड्ढों की मरम्मत को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। खासतौर पर सेक्टर-26डी में एससीओ के पीछे खराब सड़कों को जल्द ठीक करने को कहा गया।

पार्किंग व्यवस्था सुधारने के लिए प्रवेश और निकास बिंदुओं को व्यवस्थित करने, पर्याप्त पार्किंग अटेंडेंट तैनात करने और ट्रैफिक प्लान की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए, ताकि बाजारों में वाहनों की आवाजाही सुचारू रहे। सेक्टर-7 में सिप एंड डाइन साइट से सर्विस रोड खोलने की संभावना भी तलाशी जा रही है, जिससे ट्रैफिक जाम कम किया जा सके। स्वच्छता व्यवस्था को लेकर मेयर ने रोजाना सफाई, डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था तेज करने और संवेदनशील कूड़ा स्थलों को खत्म करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क किनारे नालियों की सफाई, सीवरेज समस्याओं के समाधान और नियमित डी-सिल्टिंग पर भी जोर दिया गया। मार्केट क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के तहत सेंटर वर्ज का विकास, पौधारोपण, लैंडस्केपिंग और अन्य सुंदरता बढ़ाने वाले कार्यों की योजना भी साझा की गई। इसके अलावा सेक्टर-7 और सेक्टर-26 की पार्किंग में चल रहे पानी की सप्लाई और स्टॉर्म वॉटर पाइपलाइन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कहा गया।

एसटीपी रायपुर खुर्द के निरीक्षण के दौरान मेयर ने क्षेत्रीय पार्षद हरजीत सिंह के साथ प्लांट तक पहुंचने के लिए उचित सड़क निर्माण, परिसर और आसपास हरित विकास कार्यों का जायजा लिया। यहां बगीचे, वॉकिंग ट्रैक, लाइटिंग, बेंच और साइनेज जैसी सार्वजनिक सुविधाएं विकसित करने की योजना पर भी चर्चा हुई। मेयर ने एसटीपी की नियमित सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि प्लांट सुचारू रूप से काम करे और पर्यावरण मानकों का पालन हो सके। नगर निगम ने सभी विभागों को तीन दिन के भीतर प्रगति रिपोर्ट सौंपने और नियमित अपडेट देने के निर्देश दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण करेंगे और कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखेंगे।

मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि आदेशों की अनदेखी को गंभीरता से लिया जाएगा। नगर निगम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं और जवाबदेह प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

चंडीगढ़ में बेटी-दामाद को बचाने पहुंचे पिता और दो बेटों पर हमला, तीनों गंभीर

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। मौलीजागरां के विकास नगर में देर रात हिंसा की गंभीर घटना सामने आई। पार्किंग विवाद के दौरान शुरू हुआ झगड़ा उस समय उग्र हो गया, जब बेटी-दामाद को बचाने पहुंचे पिता और उनके दो बेटों पर करीब 20-25 युवकों ने हमला कर दिया। हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सेक्टर-32 अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, रात करीब 9:30 बजे मकान नंबर 473 और 472 के बीच पार्किंग को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान पत्थरबाजी शुरू हो गई और कुछ पत्थर पास की किराना दुकान पर जा लगे। दुकान संचालक करण और उनकी पत्नी प्रियंका ने विरोध किया तो आरोप है कि हमलावर दुकान में घुस आए, तोड़फोड़ की और मारपीट शुरू कर दी। दंपती ने किसी तरह अंदर छिपकर अपनी जान बचाई। प्रियंका ने बताया कि उन्होंने मदद के लिए अपने पिता लाल बिहारी (55) को बुलाया, जो अपने बेटों राज किशोर (30) और विकास (25) के साथ मौके पर पहुंचे। आरोप है कि तभी लाडी नामक युवक अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और तीनों पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पत्थरों, सीमेंट की सिल्ली और लोहे की रॉड से वार किए।

हमले में लाल बिहारी का हाथ फ्रैक्चर हो गया और जबड़ा भी टूट गया। उनके कई दांत टूटने की भी जानकारी है। राज किशोर की आंख और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि विकास के सिर पर गहरी चोट लगी है और कई टांके आए हैं। बताया जा रहा है कि इलाज के दौरान राज किशोर की आंख से खून बह रहा था।

पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि हमलावर लाल बिहारी की जेब से करीब ₹60 हजार नकद, मोबाइल फोन और सोने की चेन लूटकर ले गए। साथ ही दुकान के गल्ले से भी नकदी चोरी करने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़ित परिवार ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मौलीजागरां थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वहीं, मामले को लेकर थाना प्रभारी जसकरण सिंह ने बताया कि घटना पुलिस के संज्ञान में है। तीनों पीड़ितों की शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोर्ट की कुर्की कार्रवाई शुरू होते ही गमाडा ने दिया मुआवजा, एस्टेट ऑफिसर ने मांगी माफी

मोहाली/यूटर्न/21 अप्रैल। ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) में मंगलवार को उस समय हलचल मच गई, जब मोहाली कोर्ट के वारंट ऑफिसर एस्टेट ऑफिसर (ईओ) के कार्यालय और सरकारी गाड़ी को कुर्क करने पहुंचे। कुर्की की प्रक्रिया शुरू होते ही गमाडा अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पीड़ित को मुआवजे की राशि का चेक सौंप दिया। जानकारी के अनुसार, मोहाली की परमानेंट लोक अदालत ने पहले ही पीड़ित के पक्ष में फैसला सुनाते हुए गमाडा को मुआवजा देने के आदेश दिए थे, लेकिन आदेश के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद अदालत की चेयरपर्सन गुरमीत कौर ने ईओ कार्यालय में मौजूद एसी, पंखे, कुर्सियां, टेबल, कंप्यूटर, एलईडी, कैश और सरकारी वाहन तक कुर्क करने के निर्देश जारी किए थे। शिकायतकर्ता फेज-10 निवासी जंग बहादुर सिंह के वकील जतिन सैनी ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने पर गमाडा की सीएम साक्षी साहनी ने कहा कि उन्हें अदालत के आदेश की जानकारी नहीं थी। इसके बाद संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और तुरंत मुआवजा राशि जारी करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान गमाडा के एस्टेट ऑफिसर वरुण कुमार ने मामले में देरी पर पीड़ित परिवार से माफी भी मांगी।

क्या था मामला ?

फेज-10 निवासी जंग बहादुर सिंह ने वर्ष 2016 में गमाडा की एरोसिटी परियोजना में प्लॉट खरीदा था। प्लॉट अलॉट होने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं। इसके बाद उन्होंने परमानेंट लोक अदालत में शिकायत दायर की। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अदालत ने गमाडा को दोषी मानते हुए ₹1.25 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया था। आदेश का पालन न होने पर शिकायतकर्ता ने एक्सीक्यूशन याचिका दायर की, जिसके बाद अदालत ने गमाडा कार्यालय और वाहन की कुर्की के आदेश जारी किए।

सेक्टर 40-सी में मार्केट की बैकलेन सड़क का पेवर ब्लॉक से किया जाएगा पुनर्निर्माण - गुरबक्श रावत

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। सेक्टर 40 में दिल्ली पब्लिक स्कूल के साथ लगती मार्केट की बैकलेन सड़क के पेवर ब्लॉक्स से पुनर्निर्माण कार्य का आज भाजपा पार्षद गुरबक्श रावत द्वारा विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वार्ड के गणमान्य व्यक्तियों में तरसेम शर्मा, नवतेज सिंह, बलबीर भारद्वाज, वी. एन. शर्मा, करनैल सिंह, एम. एल. राणा, विशु गुप्ता, कैप्टन कपल, हरीशपाल सिंह असवाल, डॉक्टर पुरी, मैडम असवाल, बाबूराम, कर्मचंद शर्मा, पवन शर्मा, दूबे जी व नगर निगम के अधिकारियों की उपस्थिति रही। पार्षद गुरबक्श रावत ने कार्य का शुभारंभ करते हुए कहा कि वार्ड के विकास और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता है। सेक्टर 40 सी की मार्केट के प्रधान नवतेज सिंह चड्ढा ने बताया कि इस सड़क के पुनर्निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि स्थानीय निवासियों और दुकानदारों को भी काफी राहत मिलेगी।कार्य के दौरान संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी रावत ने दिए, ताकि निर्माण कार्य शीघ्र और बेहतर तरीके से पूरा हो सके। सेक्टर 40 बी के प्रधान तरसेम शर्मा ने इस पहल के लिए पार्षद का आभार व्यक्त करते हुए वार्ड में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की।

Happy Birthday

Shubhangi Singh

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

Maintenance (भरण-पोषण) कब और कितना मिलता है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

परिवार से जुड़े विवादों में "Maintenance" यानी भरण-पोषण एक महत्वपूर्ण विषय है, लेकिन इसके बारे में कई गलतफहमियां भी प्रचलित हैं। कानून के अनुसार, यदि पत्नी अपने आप को आर्थिक रूप से संभालने में सक्षम नहीं है, तो वह अपने पति से भरण-पोषण की मांग कर सकती है। इसके अलावा, बच्चे और कुछ परिस्थितियों में माता-पिता भी Maintenance के हकदार हो सकते हैं। Maintenance के लिए विभिन्न कानूनी प्रावधान मौजूद हैं—जैसे धारा 125 CrPC, Hindu Marriage Act, और Domestic Violence Act। इन सभी का उद्देश्य जरूरतमंद व्यक्ति को आर्थिक सहायता प्रदान करना है।

अब सवाल आता है—कब मिलता है?

जब यह साबित हो जाए कि मांग करने वाला व्यक्ति स्वयं का खर्च उठाने में सक्षम नहीं है और दूसरे पक्ष के पास आय के स्रोत उपलब्ध हैं, तब अदालत maintenance देने का आदेश दे सकती है। यह केस के दौरान (interim maintenance) और अंतिम निर्णय के बाद भी दिया जा सकता है।

कितना मिलता है? यह कोई निश्चित राशि नहीं होती। अदालत कई बातों को ध्यान में रखती है—जैसे पति की आय, जीवन स्तर (standard of living), पत्नी की जरूरतें, बच्चों की पढ़ाई और अन्य खर्च। सामान्यत: यह देखा जाता है कि दोनों पक्षों का जीवन स्तर संतुलित बना रहे।

यह भी महत्वपूर्ण है कि यदि पत्नी स्वयं अच्छी आय कमा रही है, तो उसे maintenance नहीं या कम मिल सकता है। इसी प्रकार, यदि पति अपनी आय छुपाता है, तो अदालत अनुमान (assessment) के आधार पर भी राशि तय कर सकती है।

कई लोग यह मान लेते हैं कि maintenance केवल महिलाओं का अधिकार है, जबकि कानून जरूरत के आधार पर अन्य लोगों को भी यह अधिकार देता है।

निष्कर्ष: Maintenance का उद्देश्य किसी को दंडित करना नहीं, बल्कि जरूरतमंद को आर्थिक सहारा देना है। इसकी राशि हर मामले में अलग होती है और अदालत परिस्थितियों के आधार पर ही निर्णय लेती है।

तीक्ष्ण सूद के नेतृत्व में भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने कमिश्नर नगर निगम को वोटर में सूची की दूर अनियमितता करने के लिए दिया गया ज्ञापन

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर /यूटर्न/21 अप्रैल। पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता तीक्ष्ण सूद द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि चुनावो के लिए जारी सूचियों के प्रारूप जाँच करने पर बहुत सी अनिमयितताए देखने को मिली है। भाजपा द्वारा गठित टीम ने पाया है की वार्डबंदी के 31 -12 - 2025 को जारी हुए नोटिफिकेशन की सीमाय नगर निगम द्वारा बनाए गए नक़्शे के वार्डो से मेल नहीं खाती । जिसके कारन सेकड़ो वोट इधर से उधर , उधर से इधर हो गई है। नोटिफिकेशन को सही मानकर ही नक्शा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निगम के चुनावी नियमों के अनुसार वार्डबंदी करते समय सभी वार्डों की जनसंख्या लगभग एक समान की जानी चाहिए। परन्तु वास्तविकता इसके उलट है। जैसे वार्ड न. 9 में केवल 539 वोट दिखाई गई है। जबकि वार्ड न.3 में 5296 पर आबादी इससे बहुत ज्यादा है वोट दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि जनसँख्या की गिनती भी अनट्रेंड कच्चे कर्मचारीयो द्वारा करवाई है।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

स्त्री के प्रति फूहड़ता कितनी सही?

नवरात्रों में माँ अम्बा की पूजा करने वाले न जाने ऐसे कितने लोग होंगे जिनके मुँह से हर बात पर कोई न कोई माँ बहन की गाली निकलती है। जो वो अपने मुँह से बात बात में स्त्रियों के लिए गाली के रूप मे अपशब्द बोलते हैं वो शायद भूल जाते हैं कि सभी माँ बहनें चाहे वो किसी की भी हों माँ दुर्गा, माँ अम्बा का ही एक अंश हैं। साल में दो बार नवरात्रि पूजन करने से माँ जगदम्बा आपकी गलती भूल नहीं जाएगी। हमारे यहाँ के तो फिल्म प्रड्यूसर भी किसी से कम नहीं हैं एक नई फिल्म में तो एक स्त्री से पुरूष के जूते चटवाते दिखाया गया है। यह सब कुछ दिखा कर हम अपनी पढ़ी लिखी युवा पीढ़ी को फूहड़ता और गंदी मानसिकता की तरफ धकेलते हैं वो भी सिर्फ कुछ धन के लिए। और सृष्टि का नियम है कि सौ अच्छाइयाँ भूलाकर इन्सान एक बुराई की तरफ ही आकर्षित होता है। तो इससे हमारे समाज को क्या संदेश जाता है? आजकल इतनी पढ़ाई करके भी हम लोग मुँह से तो फूहड़ गालियाँ और अपशब्द बोलकर पर ऊपरी तौर से विदेशी कपड़े और तौर तरीके अपनाकर क्या साबित करना चाहते हैं? हम लोग रामराज्य की बात तो करते हैं पर रामराज्य में एक स्त्री के सम्मान के लिए राजा राम ने 14 साल का बनवास मंजूर किया और दूसरी स्त्री के सम्मान की खातिर लंका पर चढ़ाई कर दी। तो जब कभी नवरात्रि पूजन करें तो घर और बाहर की स्त्री के सम्मान की भावना को भी अपने मन में बनाएँ रखें।

रचनात्मकता दिवस पर NCC कैडेट्स ने दिखाया हुनर

AI के जिम्मेदार उपयोग पर दिया जोर, पोस्टर, भाषण व स्किट से जागरूकता का संदेश

लुधियाना/यूटर्न/21 अप्रैल। विश्व रचनात्मकता एवं नवाचार दिवस के अवसर पर 3 पंजाब गर्ल्स बटालियन एनसीसी, लुधियाना के अंतर्गत कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया। जीसीजी, केसीडब्ल्यू, एसडीपी और जीएचजी कॉलेज के कैडेट्स ने पोस्टर मेकिंग, भाषण और लघु नाटक (स्किट) के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के जिम्मेदार उपयोग पर जागरूकता फैलाई।

कार्यक्रम का मुख्य विषय "Let AI be your tools, not your masters" रहा, जिसमें तकनीक को साधन के रूप में उपयोग करने पर जोर दिया गया। कैडेट्स ने अपने रचनात्मक पोस्टरों के जरिए एआई के फायदे और संभावित नुकसान—जैसे दुरुपयोग और अत्यधिक निर्भरता—को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं, भाषण प्रतियोगिता में आधुनिक तकनीक के संतुलित और नैतिक उपयोग पर प्रकाश डाला गया। लघु नाटक के माध्यम से डिजिटल युग में सतर्क रहने और समझदारी से तकनीक अपनाने का संदेश दिया गया। इस आयोजन ने कैडेट्स में रचनात्मकता, नवाचार और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम के दौरान कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आर.एस. चौहान ने पीआई स्टाफ और कैडेट्स के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कैडेट्स की सक्रिय भागीदारी और जागरूक सोच की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी तरह आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अश्लीलता और फजी कंटेंट मामले में चंडीगढ़ पुलिस लेखिका मधु किश्वर के दिल्ली ऑफिस पहुंची

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। चंडीगढ़ पुलिस की एक टीम मंगलवार को दिल्ली के सरिता विहार में लेखिका मधु किश्वर के ऑफि स पहुंची। टीम उन्हें एक FIR के सिलसिले में नोटिस देने गई थी। यह FIR उन पर सोशल मीडिया पर फर्जी और गुमराह करने वाला कंटेंट फैलाने के आरोप में दर्ज की गई थी। पुलिस के मुताबिक, यह मामला 19 अप्रैल को चंडीगढ़ के एक निवासी से मिली शिकायत से जुड़ा है। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अश्लील शब्दों और गुमराह करने वाले विवरणों के साथ वीडियो क्लिप्स फैलाई। इन क्लिप्स में दिखाए गए व्यक्ति की पहचान गलत बताई गई थी।

शिकायत के आधार पर, चंडीगढ़ पुलिस ने सेक्टर-26 पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं—जिनमें धारा 196, 318, 336(1), 336(3), 336(4), 340, 353 और 356 शामिल हैं—के तहत मामला दर्ज किया। इसके साथ ही, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 66उ, 66ऊऔर 67 के तहत भी केस दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि ये पोस्ट जान-बूझकर अश्लील भाषा और झूठी कहानियों का इस्तेमाल करके बनाई गई थीं। इनका मकसद दर्शकों को गुमराह करना, लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना और सार्वजनिक शांति भंग करना था। शिकायत में आगे कहा गया कि वीडियो में एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को निशाना बनाया गया था और इसे गलत इरादे से फैलाया गया था।

शुरूआती जांच के दौरान, पुलिस ने वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की पहचान एक ट्रैवल व्लॉगर के तौर पर की। अधिकारियों ने बताया कि असली क्लिप व्लॉगर की पत्नी के सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर की गई थी। पत्नी ने इस बात की पुष्टि की कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति उसका पति ही है। पति और वीडियो में दिख रही एक अन्य महिला के बयान भी दर्ज कर लिए गए हैं। पुलिस ने FIR में किश्वर और कई अन्य सोशल मीडिया हैंडल्स के नाम शामिल किए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस के आने पर प्रतिक्रिया देते हुए, किश्वर ने '' (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि पांच पुलिसकर्मी—जिनमें दो महिला अधिकारी भी शामिल थीं—उनके ऑफि स पहुंचे, जबकि वह उस समय एक वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पुलिसकर्मियों से इंतजार करने को कहा और उनके आने के समय पर सवाल उठाया। उन्होंने लिखा, इतनी देर रात को आना कोई अच्छा संकेत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें सूर्यास्त के बाद महिलाओं की गिरफ्तारी से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी है और उन्होंने इस स्थिति पर चिंता व्यक्त की। पुलिस ने इस दौरे के समय को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है।

IG गौतम चीमा केस में बड़ा उलटफेर, विशेष CBI अदालत ने दोषसिद्धि रद्द कर सभी आरोपी किए बरी

मोहाली/यूटर्न/21 अप्रैल। पंजाब के आईजी गौतम चीमा से जुड़े चर्चित मामले में मोहाली की विशेष सीबीआई अदालत ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी छह आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई दोषसिद्धि और सजा को निरस्त करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा है। इस मामले में 20 दिसंबर 2024 को विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने गौतम चीमा समेत अजय चौधरी, रश्मि नेगी, वरुण उत्रेजा, विक्की वर्मा और आर्यन सिंह को भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी, 186 और 225 के तहत दोषी ठहराया था। अब अपीलीय अदालत ने उस फैसले को पूरी तरह रद्द कर दिया है।

क्या था मामला..

मामला 26 अगस्त 2014 की रात का है। अभियोजन के अनुसार, पीसीआर टीम ने घोषित अपराधी सुमेध गुलाटी को मैक्स अस्पताल, फेज-6 से पकड़कर थाना फेज-1, मोहाली लाया था। आरोप था कि इसके बाद तत्कालीन आईजी गौतम चीमा अपने साथियों के साथ थाने पहुंचे और उसे पुलिस हिरासत से छुड़ाकर ले गए। आरोप यह भी था कि बाद में उसे दोबारा मैक्स अस्पताल ले जाकर एक कमरे में मारपीट की गई और वहां भर्ती एक महिला को शिकायत वापस लेने की धमकी दी गई। इसके बाद पुलिस टीम ने अस्पताल पहुंचकर सुमेध गुलाटी को दोबारा अपने कब्जे में लिया था। इस घटना के आधार पर 30 अगस्त 2014 को थाना फेज-1 में मामला दर्ज हुआ था। बाद में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश पर जांच सीबीआई को सौंपी गई।

अदालत ने क्या कहा

विशेष सीबीआई अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पुलिस रिकॉर्ड में कई अहम कड़ियां गायब हैं। गिरफ्तारी और हिरासत से ले जाने की स्पष्ट एंट्री मौजूद नहीं थी। पहचान परेड नहीं कराई गई और गवाहों के बयान भी एक-दूसरे से मेल नहीं खाते थे। यहां तक कि मुख्य गवाह भी अदालत में आरोपियों की पहचान नहीं कर सके। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि निचली अदालत का फैसला तार्किक रूप से टिकाऊ नहीं था, क्योंकि जिन तथ्यों के आधार पर गंभीर आरोप खारिज किए गए, उन्हीं तथ्यों पर अन्य धाराओं में दोषसिद्धि दे दी गई थी। इन परिस्थितियों को देखते हुए अदालत ने सभी आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

40 से ज्यादा गवाह पेश

सुनवाई के दौरान 40 से अधिक गवाह पेश किए गए, लेकिन अधिकांश अहम गवाह अपने बयानों से मुकर गए। कई गवाहों ने घटना की पुष्टि नहीं की और न ही किसी आरोपी की पहचान की। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष अपना मामला साबित नहीं कर सका।

स्कॉर्पियो में अगवा कर किडनैपिंग व जबरन वसूली मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, ₹10 हजार नकदी व चांदी के आभूषण बरामद

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/21 अप्रैल। पंचकूला पुलिस ने मनसा देवी कॉम्प्लेक्स थाना क्षेत्र में दर्ज किडनैपिंग और जबरन वसूली के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे गिरोह पर शिकंजा कस दिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ₹10 हजार नकद, चांदी का एक ब्रेसलेट और दो अंगूठियां बरामद की हैं। यह मामला 3 दिसंबर 2025 को सामने आया था, जब लुधियाना निवासी एक व्यक्ति ने अपने साले संदीप के लापता होने की शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के अनुसार संदीप 2 दिसंबर की रात से संदिग्ध परिस्थितियों में गायब था और उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था।

मामले की जांच सब-इंस्पेक्टर सुखविंदर सिंह ने शुरू की। जांच के दौरान पीड़ित के बैंक खातों की जानकारी जुटाई गई, जिसमें संदिग्ध लेन-देन सामने आए। इसी बीच हरिद्वार के इंडस्ट्रियल एरिया चौकी से सूचना मिली कि लापता युवक वहां मौजूद है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पीड़ित को सकुशल बरामद कर मेडिकल परीक्षण करवाया गया। पीड़ित ने बयान में बताया कि आरोपियों ने उसे जबरन स्कॉर्पियो गाड़ी में बैठाया और उससे पैसे वसूले। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने सोशल मीडिया ऐप के जरिए पीड़ित से संपर्क किया था और योजनाबद्ध तरीके से उसे बुलाकर वारदात को अंजाम दिया।

इस मामले में आरोपी अजय, दीपेश उर्फ दीपू, आशिष उर्फ गोलू और रवि कुमार को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो गाड़ी और कई मोबाइल फोन बरामद किए थे। फरवरी 2026 में चारों आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया जा चुका है। फिलहाल सभी आरोपी जमानत पर हैं।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अजय, गोलू, दीपू और अंकित पहले भी गुरुग्राम में किडनैपिंग और जबरन वसूली की वारदातों में शामिल रह चुके हैं। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने बताया कि पुलिस टीम ने 20 अप्रैल को मुख्य आरोपी अंकित सागवान निवासी चरखी दादरी, हरियाणा को गिरफ्तार किया। आरोपी की जमानत पहले ही पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा खारिज की जा चुकी थी। आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

स्कॉर्पियो में अगवा कर फिरौती वसूली: मुख्य आरोपी अंकित सागवान गिरफ्तार, गिरोह का पर्दाफाश

पंचकूला/यूटर्न/21 अप्रैल। थाना मनसा देवी कॉम्पलैक्स क्षेत्र में दर्ज किडनैपिंग और जबरन वसूली के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए मुख्य आरोपी अंकित सागवान को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इस गिरोह के चार अन्य आरोपी पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ चुके हैं। यह मामला 3 दिसंबर 2025 को सामने आया था, जब लुधियाना निवासी एक व्यक्ति ने अपने साले संदीप के लापता होने की शिकायत दर्ज करवाई। जांच के दौरान सब-इंस्पेक्टर सुखविंदर सिंह की अगुवाई में पुलिस ने पीड़ित के बैंक खातों की जांच की, जिसमें संदिग्ध लेन-देन सामने आए। इसी बीच हरिद्वार से सूचना मिलने पर पुलिस ने पीड़ित को सकुशल बरामद कर लिया। पीड़ित ने खुलासा किया कि उसे स्कॉर्पियो गाड़ी में अगवा कर जबरन पैसे वसूले गए। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती कर साजिश रची थी। पहले गिरफ्तार आरोपी अजय, दीपेश उर्फ दीपू, आशिष उर्फ गोलू और रवि कुमार से पूछताछ में कई अहम सुराग मिले थे। डीसीपी सृष्टि गुप्ता के अनुसार, 20 अप्रैल को मुख्य आरोपी अंकित सागवान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 हजार रुपये नकद, चांदी का ब्रैसलेट और दो अंगूठियां बरामद की गईं। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कालका में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस का एक्शन, रेलवे रोड पर रॉन्ग पार्किंग के 20 चालान

पंचकूला/यूटर्न/21 अप्रैल। पंचकुला कालका रेलवे रोड पर ट्रैफिक समस्या को नियंत्रित करने के लिए सूरजपुर ट्रैफिक पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क पर गलत तरीके से खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 20 रॉन्ग पार्किंग चालान किए गए। इस दौरान ट्रैफिक एसएचओ अभिषेक स्वयं मौके पर मौजूद रहे और नियमों का पालन सुनिश्चित कराया। पुलिस टीम ने स्थानीय दुकानदारों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देश दिए कि वे अपनी दुकानों के बाहर अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें और किसी भी प्रकार का अतिक्रमण करने से बचें। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे रोड स्थित अंबेडकर भवन के अंदर नगर परिषद द्वारा सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई है, जिसका सभी को उपयोग करना चाहिए। इसके अलावा आम नागरिकों को भी जागरूक करते हुए पुलिस ने कहा कि तहसील आने वाले लोग अपने वाहन तहसील परिसर में पार्क करें, एसडीएम कोर्ट आने वाले कोर्ट परिसर की पार्किंग का उपयोग करें और अस्पताल आने वाले लोग अपने वाहन अस्पताल परिसर में ही खड़े करें, ताकि सड़क पर अनावश्यक भीड़ न बढ़े। पुलिस ने दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी निजी गाड़ियां दुकान के सामने खड़ी न करें और जहां संभव हो, दोपहिया वाहनों का उपयोग करें। साथ ही उन्हें अपने ग्राहकों को भी सड़क पर वाहन खड़ा न करने के लिए प्रेरित करने को कहा गया, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

Uturn Time 22 Apr 2026_Layout 2 21-04-2026 23:24 Page 8

अम्बेडकर जयंती पर भाजपा चंडीगढ़ द्वारा सभी जिलों में भव्य संगोष्ठियों का सफल आयोजन

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, चंडीगढ़ प्रदेश द्वारा आज सभी जिलों में भव्य एवं प्रेरणादायक संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इन संगोष्ठियों का मुख्य उद्देश्य बाबा साहेब के विचारों, सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को जन-जन तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

किसान नेता ने गांव लखपुर की पंचायत पर लगाए गंभीर आरोप

शिव कौड़ा

फगवाड़ा/यूटर्न/21 अप्रैल। भारतीय किसान यूनियन (दोआबा) पंजाब के मीट प्रधान संतोष सिंह लखपुर ने गांव लखपुर के सरपंच और पंचायत सदस्यों पर पंजाब सरकार की शह पर गांव में बन रही सड़क के ठेकेदार से मिलीभगत कर पंचायत की शामलाट जमीन से अवैध रूप से मिट्टी उठाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जहां से मिट्टी निकाली गई है, वहां 7-8 फुट गहरा गड्ढा बन गया है, जो किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। उन्होंने इस मामले

की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दूसरी ओर, सरपंच गुरमीत सिंह गोगी लखपुर ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ढड्डे नहर से ग्रामीण बैंक गांव लखपुर तक बन रही सड़क पर ठेकेदार द्वारा पहले पत्थर डाला गया था, लेकिन मिट्टी न होने के कारण लोगों को परेशानी हो रही थी। इस पर पंचायत ने ठेकेदार के साथ लिखित समझौता किया कि मिट्टी का प्रबंध पंचायत करेगी और बदले में ठेकेदार दूसरी अधूरी सड़क का निर्माण करेगा।

पशुओं के निवाले पर 'इंडस्ट्री' का डाका: PDFA ने चेताया- चारे के संकट से दूध होगा महंगा

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/21/अप्रैल। पंजाब में गेहूं के अवशेष (नाड़) का औद्योगिक इस्तेमाल डेयरी सेक्टर के लिए काल बन सकता है। प्रोग्रेसिव डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन (PDFA) ने पंजाब सरकार को चेतावनी दी है कि यदि उद्योगों में गेहूं के नाड़ के प्रयोग पर तुरंत प्रतिबंध नहीं लगाया गया, तो आने वाले समय में दुधारू पशुओं के लिए चारे का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा।

क्यों उठ रही है प्रतिबंध की मांग ?

सस्ता ईंधन बना आफत: इंडस्ट्री कोयले के विकल्प के रूप में सस्ते गेहूं के नाड़ को जला रही है, जो असल में पशुओं की 'तूड़ी' (सूखा चारा) का मुख्य स्रोत है।

सप्लाई डाइवर्ट : पंजाब में गेहूं की कटाई शुरू होते ही नाड़ की गांठें (Bales) बनाकर ट्रकों के जरिए फैक्ट्रियों में भेजी जा रही हैं।

दोहरी मार: चारे की कमी होगी तो पशुपालकों का खर्च बढ़ेगा। पहले ही दूध के कम दामों से जूझ रहे डेयरी किसान बबार्दी

की कगार पर पहुंच जाएंगे।

"गेहूं का नाड़ पशुओं का मुख्य आहार है। इसे सस्ते ईंधन के लालच में फैक्ट्रियों में जलाना, बेजुबान पशुओं के मुंह से निवाला छीनने जैसा है। अगर सरकार ने तुरंत दखल नहीं दिया, तो चारे की कमी के कारण दूध की कीमतें आसमान छुएंगी, जिसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा।"

- अध्यक्ष सदरपुरा, PDFA

आम जनता और किसानों पर होने वाला असर बैठक में PDFA के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस समस्या के दूरगामी परिणाम होंगे:

लागत में वृद्धि: चारे की कमी होने पर किसानों को महंगे दामों पर चारा खरीदना पड़ेगा।

महंगा दूध: जब दूध उत्पादन की लागत बढ़ेगी, तो बाजार में दूध के रेट बढ़ना तय है। डेयरी उद्योग का

पतन: छोटे और मध्यम डेयरी फार्मर घाटे के कारण काम बंद करने को मजबूर हो जाएंगे। इस बैठक में अध्यक्ष दलजीत सिंह सदरपुरा के साथ बलवीर सिंह नवांशहर, राजपाल सिंह कुलार, रणजीत सिंह लंकेआना समेत पंजाब के विभिन्न जिलों से आए दर्जनों प्रमुख डेयरी किसान नेता उपस्थित थे। सभी ने एक सुर में सरकार से मांग की कि गेहूं के नाड़ की व्यावसायिक ढुलाई और औद्योगिक उपयोग पर पूर्ण पाबंदी लगाई जाए।

विजिलेंस द्वारा 30,000 रुपये रिश्वत लेते इंस्पेक्टर को रंगे हाथों गिरफ्तार

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। पंजाब विजिलेंस ने थाना डिवीजन नंबर 4, लुधियाना में एस.एच.ओ. के रूप में तैनात इंस्पेक्टर गुरजीत सिंह को 30,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को नूरवाला रोड, लुधियाना के एक निवासी द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि शिकायतकर्ता के पुत्र को डिवीजन नंबर 4, लुधियाना में दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब वह अपने बेटे से मिलने थाना डिवीजन नंबर 4, लुधियाना गई, तो उसके बेटे ने बताया कि पुलिस ने उसे बेरहमी से पीटा है और उसकी सोने की अंगूठी तथा चांदी का ब्रेसलेट भी अपने कब्जे में ले लिया है। इस संबंध में आरोपी इंस्पेक्टर ने सोने की अंगूठी और चांदी का ब्रेसलेट वापस करने के लिए 35,000 रुपये की रिश्वत मांगी, लेकिन शिकायतकर्ता ने रिश्वत मांगने की पूरी बातचीत रिकॉर्ड कर ली। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने विजिलेंस ब्यूरो, लुधियाना से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया, जिसके दौरान आरोपी इंस्पेक्टर को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 30,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

पंजाब सरकार झुकी बसपा के संघर्ष के आगे; श्री खुरालगढ़ साहिब से शराब के ठेके हटाने की प्रक्रिया शुरू

दलजीत अजनोहा

हुशियारपुर//यूटर्न/21 अप्रैल। साहिब श्री गुरु रविदास जी की चरण-छोह प्राप्त पवित्र धरती श्री खुरालगढ़ साहिब के सम्मान और मयार्दा को बहाल रखने के लिए बहुजन समाज पार्टी द्वारा चलाई गई मुहिम को उस समय बड़ी सफलता मिली जब बसपा के लगातार संघर्ष के आगे झुकते हुए पंजाब सरकार ने यहां से शराब के ठेके हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। आज यहां जारी एक बयान में बसपा पंजाब के अध्यक्ष डॉक्टर अवतार सिंह करीमपुरी ने इसे संगतों और पार्टी वर्करों के सिद्क की जीत करार दिया है।

संघर्ष का मुख्य विवरण...डॉ. करीमपुरी ने बताया कि बसपा द्वारा पिछले छह महीनों से 'पंजाब संभालो मुहिम' के तहत निरंतर संघर्ष जारी है।

जनतक लामबंदी: पार्टी द्वारा पिंड-पिंड जाकर सभाएं की गई और ठेके बंद करवाने के लिए मतें पवाए गए।

रोष प्रदर्शन: 18 अप्रैल को गढ़शंकर में किए गए विशाल रोष प्रदर्शन के बाद प्रशासन के हाथ-पैर फूल गए थे।

प्रशासनिक कार्रवाई: बसपा के दबाव के चलते प्रशासन ने डॉक्टर अंबेडकर जी की बेअदबी करने वाले दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया और अब शराब के ठेकों को किस्तों में हटाने की प्रक्रिया शुरू की है।

डेराबस्सी में संयुक्त किसान मोर्चा व ट्रेड यूनियनों का पैदल मार्च, विधायक आवास के बाहर प्रदर्शन

निकाले गए 14 कर्मचारियों की बहाली की मांग; विधायक ने एक हफ्ते में समाधान का दिया आश्वासन

डेराबस्सी/यूटर्न/21 अप्रैल। श्री सुखमनी इंटरनेशनल स्कूल, डेराबस्सी के 14 कर्मचारियों को कथित तौर पर अवैध तरीके से निकाले जाने के विरोध में मंगलवार को संयुक्त किसान मोर्चा और विभिन्न ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर हजारों श्रमिक सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने डेराबस्सी बस स्टैंड से लेकर हलका विधायक कुलजीत सिंह रंधावा की कोठी तक विशाल पैदल मार्च निकाला और स्कूल प्रबंधन व श्रम विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मार्च के समापन पर विधायक की ओर से परमजीत सिंह रंधावा ने मौके पर पहुंचकर संगठनों का मांग पत्र प्राप्त किया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया कि एक सप्ताह के भीतर इस विवाद को सुलझाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे और

कर्मचारियों की नौकरी बहाल करवाने की दिशा में कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि यदि स्कूल प्रबंधन टालमटोल करता है तो पंजाब सरकार के माध्यम से कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। रैली को संबोधित करते हुए संयुक्त किसान मोर्चा और ट्रेड यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि तय समय के भीतर कर्मचारियों को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर श्रम आयुक्त को निर्देश जारी करने और कर्मचारियों की बहाली सुनिश्चित करने की मांग उठाई। प्रदर्शन में मनप्रीत अमराला, जगतार सिंह झरमड़ी, रणजीत सिंह राणा, हरनाम सिंह, जगतार सिंह बटोली, सुरिंदर सिंह जड़ोत, रविंदरपाल सिंह, गुरप्रीत सिंह, हरी सिंह बहोड़ा, गुरविंदर सिंह, लखविंदर सिंह हैप्पी, भूपेंद्र सिंह बाछल, तरलोचन सिंह, रुस्तम शेख, रजिंदर सिंह एकम सिद्धू, महिंदर सिंह सैनी, चंद्रपाल अतरी और विनोद चुघ सहित कई नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने ऐलान किया कि जब तक सभी कर्मचारियों को न्याय नहीं मिल जाता, संघर्ष जारी रहेगा। विधायक के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने फिलहाल धरना समाप्त कर दिया और एक सप्ताह बाद अगली रणनीति तय करने की बात कही।

माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देश पर अवैध अतिक्रमण को किया , ध्वस्त

निर्मल सिंह

पानीपत/यूटर्न/21 अप्रैल। माननीय हाईकोर्ट आदेशों के अनुपालना में जिला नगर योजनाकार (प्रवर्तन) ने आज दिनांक 21.04.2026 को महेश फार्म टीडीआई स्थित सेक्टर और एम्पेरियम डेवलपर सेक्टर 40 में अवैध अतिक्रमणों के ध्वस्तीकरण करने की कार्यवाही अमल में लाई गई।

इसके अतिरिक्त अन्य सभी कॉलोनाईजर / डेवलपर प्लॉट / फ्लोर के मालिकों कब्जाधारियों, रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, और अन्य संबंधित व्यक्तियों से अनुरोध किया जाता है कि वे स्वयं अपने स्तर पर किए गए अवैध निर्माणों / अतिक्रमणों को तुरंत प्रभाव से हटा लें यदि भविष्य में किसी अन्य स्थान पर इसी प्रकार का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही की प्रक्रिया पूरी की जाएगी जिसका समस्त उत्तरदायित्व संबंधित उल्लंघनकर्ता का होगा ।

माननीय पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने रिहायशी प्लॉटों के लिए 'स्टिल्ट +4 फ्लोर' पॉलिसी को आगे बढ़ाने पर रोक लगा दी है, और हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग) के दिनांक 02.07.2024 के निर्देशों के संचालन पर ही डब्ल्यू टी (जनहित याचिका) संख्या 212/2024 (शीर्षक: सुनील सिंह बनाम हरियाणा राज्य और

जिला योजना का अधिकारी

सुमित मलिक का कहना है कि अवैध अतिक्रमण से संबंधित व्यक्तियों से अनुरोध किया जाता है कि वे अन्य स्वयं अपने स्तर पर किए गए अवैध निर्माणों / अतिक्रमणों को तुरंत प्रभाव से हटा लें अन्यथा माननीय न्यायलय के निर्देश अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी

अन्यह्) तथा संबंधित मामलों में दिनांक 02.04.2026 को पारित आदेश के माध्यम से रोक लगा दी गई है। उपयुक्त आदेशों के संदर्भ में, सरकार ने दिनांक 16.04.2026 के आदेश अनुसार यह निर्देश दिया है कि सड़कों के 'राइट ऑफ वे' पर किए गए सभी अतिक्रमणों को हटाया जाए। ये अतिक्रमण हरित क्षेत्रों / लॉन / लैंडस्केप वाले क्षेत्रों / बाउंड्री वॉल आदि के निर्माण के रूप में हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह भी निर्देश दिया गया है कि उन सभी उल्लंघनकताओं के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही की जाए, जो रिहायशी प्लॉटों के 'स्टिल्ट फ्लोर' का अनाधिकृत उपयोग / कब्जा / निर्माण के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

वीआईपी रोड के रेस्टोरेंट में खाने में कॉकरोच, वीडियो वायरल होते ही मचा हड़कंप

फूड सेफ्टी टीम का छापा, किचन में मिलीं खामियां; चालान कर दी सख्त चेतावनी

जीरकपुर/यूटर्न/21 अप्रैल। जीरकपुर के वीआईपी रोड स्थित एक मशहूर रेस्टोरेंट में खाने में कॉकरोच मिलने का मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और शहर में खाद्य सुरक्षा व स्वच्छता को लेकर बहस छिड़ गई। जानकारी के अनुसार 'बंसल अमृतसर कुलचा' नामक रेस्टोरेंट में एक ग्राहक को परोसे गए खाने में कॉकरोच मिला। ग्राहक ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। इसके बाद लोगों ने रेस्टोरेंट की साफ-सफाई और खाने की गुणवत्ता पर सवाल उठाने शुरू कर दिए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए फूड सेफ्टी विभाग ने तुरंत संज्ञान लिया और टीम मौके पर पहुंची। निरीक्षण के दौरान रसोई क्षेत्र में साफ-सफाई की भारी कमी पाई गई। साथ ही खाद्य सामग्री के रख-रखाव में लापरवाही, किचन हाइजीन नियमों की अनदेखी और अन्य खामियां भी सामने आईं।

फूड सेफ्टी अधिकारियों ने मौके पर ही रेस्टोरेंट का चालान काटते हुए प्रबंधन के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी। अधिकारियों ने संचालकों को कड़ी चेतावनी दी कि वे तुरंत व्यवस्थाओं में सुधार करें, अन्यथा भविष्य में लाइसेंस रद्द करने जैसी सख्त कार्रवाई भी की जा सकती है।

इस घटना ने एक बार फिर शहर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से नियमित जांच अभियान चलाने की मांग की है, ताकि उपभोक्ताओं की सेहत से कोई समझौता न हो।

वैसाखी बंपर 2026 ने बदली मजदूर की किस्मत, राजपुरा के कमलजीत को 50 लाख का इनाम

जीरकपुर /यूटर्न/21 अप्रैल। पंजाब स्टेट वैसाखी बंपर 2026 के नतीजों ने राजपुरा के एक साधारण मजदूर की जिंदगी बदल दी। राजपुरा निवासी कमलजीत सिंह उर्फ कमला द्वारा खरीदी गई लॉटरी टिकट पर दूसरा इनाम निकलने से उसे 50 लाख रुपये की बड़ी राशि मिली है। रोजाना मेहनत-मजदूरी कर गुजारा करने वाले कमलजीत के लिए यह इनाम किसी सपने के सच होने जैसा है। मामले की जानकारी देते हुए लक्की लॉटरी स्टोर के मालिक लवकेश कुमार ने बताया कि उनकी एजेंसी से जुड़ी संदीप लॉटरी राजपुरा में भी सक्रिय है। उन्होंने बताया कि यह जीतने वाली टिकट घूम-घूमकर बेचने वाले विक्रेता प्रवीण द्वारा बेची गई थी, जिस पर 50 लाख रुपये का दूसरा इनाम निकला।

जैसे ही यह खबर इलाके में फैली, लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई और आसपास के लोगों ने कमलजीत सिंह को बधाइयां देना शुरू कर दिया। लवकेश कुमार के अनुसार, कमलजीत सिंह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं और सोलर प्लेटों से जुड़े काम में मजदूरी करते हैं। दिनभर की कड़ी मेहनत से जीवन यापन करने वाले इस व्यक्ति के लिए यह इनाम बड़ी राहत और नया मौका लेकर आया है।

Uturn Time 22 Apr 2026_Layout 2 21-04-2026 23:24 Page 10

महिला आरक्षण पर भाजपा की दोहरी राजनीति बेनकाब, बिना शर्त तत्काल लागू किया जाए आरक्षण: कुमारी शैलजा

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत आज चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस प्रेस वार्ता को सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा ने संबोधित किया। इस अवसर पर चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की भी मौजूद रहे।

मीडिया को संबोधित करते हुए कुमारी शैलजा ने भारतीय जनता पार्टी पर महिला आरक्षण के मुद्दे पर देशभर में भ्रम फैलाने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में महिला आरक्षण अधिनियम संसद से पारित हुआ था, जिसमें कांग्रेस पार्टी सहित सभी विपक्षी दलों ने पूर्ण सहयोग दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद भाजपा सरकार ने अपनी राजनीतिक मंशाओं को साधने के लिए पिछले दरवाजे से संशोधन लाने का प्रयास किया, जिस पर विपक्ष को गंभीर आपत्ति थी। कुमारी शैलजा ने कहा कि बिना किसी व्यापक चर्चा और सहमति के यह संशोधन लाया गया, जो लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। उन्होंने यह भी कहा कि संशोधन लाने से ठीक पहले 2023 के महिला आरक्षण अधिनियम की नोटिफिकेशन जारी करना भाजपा की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह स्पष्ट है कि भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर सस्ती और अवसरवादी राजनीति कर रही है। जब उनकी चालें कामयाब नहीं हुईं, तो उन्होंने विपक्ष पर बेबुनियाद आरोप लगाने शुरू कर दिए, उन्होंने कहा। प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्ष को निशाना बनाए जाने पर कुमारी शैलजा ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक मयार्दाओं के विरुद्ध है। राष्ट्र के नाम संबोधन गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों के लिए होता है, न कि राजनीतिक विरोधियों को कोसने के लिए। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, उन्होंने कहा।

कुमारी शैलजा ने भाजपा की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि सरकार वास्तव में महिलाओं को आरक्षण देना चाहती, तो मौजूदा 543 लोकसभा सीटों और राज्य विधानसभाओं में ही इसे लागू किया जा सकता था। इसके बजाय भाजपा ने परिसीमन और सीटों की संख्या बढ़ाने जैसे जटिल प्रावधानों के साथ इसे जोड़कर इसे टालने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास महिलाओं के सशक्तिकरण का साक्षी रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व में पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जिसने देश में महिला नेतृत्व को मजबूत आधार प्रदान किया,ह्व उन्होंने कहा। कुमारी शैलजा ने मांग की कि महिला आरक्षण को बिना किसी शर्त के तुरंत लागू किया जाए और महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार दिया जाए। इस अवसर पर चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की ने कहा कि चंडीगढ़ कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर जन-जन तक जाएगी और हर घर तक इस अभियान को पहुंचाकर महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करेगी। उन्होंने भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि वह झूठ और भ्रम की राजनीति बंद करे और महिलाओं को उनका अधिकार और सम्मान प्रदान करे। 'कांग्रेस पार्टी हमेशा महिलाओं के अधिकारों के लिए खड़ी रही है, खड़ी है और आगे भी मजबूती से खड़ी रहेगी। इस संघर्ष के लिए यदि किसी भी स्तर पर आंदोलन करना पड़ा, तो कांग्रेस पीछे नहीं हटेगी,' उन्होंने कहा। एच.एस. लक्की ने बताया कि आने वाले दिनों में इस विषय पर एक विस्तृत पैंपलेट जारी किया जाएगा, जिसे घर-घर पहुंचाकर भाजपा की सच्चाई और उसकी मंशाओं का पदार्फाश किया जाएगा।

घर छोड़ दिल्ली जा रहे २ किशोर समेत ३ बच्चे सकुशल बरामद, डीसीपी ने अभिभावकों से की अपील

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/21 अप्रैल। पंचकूला पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता और मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए लापता हुए बच्चों को उनके परिवारों से मिलवाने में सफलता हासिल की है। सेक्टर-14 थाना की टीम ने ईआरवी की सहायता से अलग-अलग दो मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन किशोरों को सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस की इस मुस्तैदी ने न केवल तीन मासूमों को किसी अनहोनी का शिकार होने से बचाया, बल्कि उनके परिजनों के चेहरों पर भी मुस्कान वापस लौटाई।

पहला मामला: दिल्ली जाने की फिराक में थे दो दोस्त

पहले मामले में, सेक्टर-14 थाना क्षेत्र के रहने वाले 15 वर्षीय दो किशोर, जो एक ही स्कूल में पढ़ते थे, 20 अप्रैल की शाम करीब 4 बजे ट्यूशन जाने का बहाना बनाकर घर से निकल गए। परिजनों को बिना बताए ये दोनों किशोर कामकाज की तलाश में दिल्ली जाने की योजना बना रहे थे। जब बच्चे काफी देर तक घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी महेंद्र सिंह की अगुवाई में पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि दोनों बच्चे अंबाला रेलवे स्टेशन तक पहुँच गए थे, लेकिन वहाँ टीटी द्वारा पूछताछ किए जाने पर वे घबराकर वापस पंचकूला लौट आए। आज सुबह करीब 11 बजे पुलिस ने दोनों को मनसा देवी मंदिर परिसर के पास से सकुशल बरामद कर लिया और कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर उनके माता-पिता को सौंप दिया।

डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता का संदेश: बच्चों के साथ बढ़ाएं संवाद...डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने अभिभावकों से विशेष अपील करते हुए कहा कि आज के दौर में बच्चों और माता-पिता के बीच संवाद की कमी एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। डीसीपी ने जोर देकर कहा कि अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ एक मित्रवत और बेहतर संवाद स्थापित करना चाहिए, ताकि बच्चे अपनी मन की बात या किसी भी तरह का दबाव खुलकर साझा कर सकें। उन्होंने सुझाव दिया कि माता-पिता बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ-साथ उनके मानसिक स्वास्थ्य और भावनाओं को समझें, ताकि बच्चे भविष्य में घर छोड़ने जैसा कोई आत्मघाती या गलत कदम न उठाएं।

दूसरा मामला: स्कूल के नाम पर घर से निकला आठवीं का छात्र

इसी क्षेत्र से जुड़ी दूसरी घटना में, कक्षा 8 का एक छात्र स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकला, लेकिन वह स्कूल नहीं पहुँचा। जब छात्र की माँ उसे लेने स्कूल पहुँची, तो उसके वहाँ न होने की बात सुनकर परिवार की चिंता बढ़ गई जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचित किया गया, जिसके बाद सेक्टर-14 थाना पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और बच्चे के मित्रों व रिश्तेदारों से संपर्क साधा। पुलिस की सघन खोजबीन के परिणामस्वरूप बच्चे को सुरक्षित ढूंढ लिया गया और उसे परिजनों के हवाले किया गया।

चंडीगढ़ में 2015 बैच शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, नियुक्ति तिथि से सभी लाभ देने के आदेश

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। 11 साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद चंडीगढ़ के 2015 बैच शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शिक्षकों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए नियुक्ति तिथि से सभी सेवा और वित्तीय लाभ देने के आदेश दिए हैं। फैसले के तहत शिक्षकों को लंबित महंगाई भत्ता (डीए), एसीपी, पंजाब के छठे वेतन आयोग और केंद्र के सातवें वेतन आयोग के अनुरूप वेतन लाभ दिए जाएंगे। इसके अलावा प्रोबेशन क्लीयरेंस सहित अन्य सभी सेवा संबंधी लाभ भी प्रदान किए जाएंगे। 2015 बैच के शिक्षक अपने नियमितीकरण और वेतन संबंधी अधिकारों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने प्रशासनिक स्तर पर कई बार मांग उठाई और बाद में न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शिक्षकों में खुशी की लहर है। शिक्षकों ने उम्मीद जताई है कि चंडीगढ़ प्रशासन इस निर्णय को जल्द लागू करेगा, ताकि सभी लंबित लाभ समयबद्ध तरीके से मिल सकें।

क्या था मामला ?

चंडीगढ़ प्रशासन ने 1150 शिक्षकों की भर्ती निकाली थी। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद 950 शिक्षकों का चयन हुआ। इसी दौरान परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप लगे, जिसके बाद मामला अदालत पहुंच गया। तभी से इस मामले की सुनवाई चल रही थी।

प्रशासनिक लापरवाही पर सख्त रुख: सूचना आयोग ने पंजाब के गृह विभाग को थमाया 'कारण बताओ नोटिस'

चार साल से धरने पर बैठे पीड़ितों की शिकायत पर कार्रवाई; गृह सचिव को भी भेजी आदेश की कॉपी

23 अप्रैल को जवाब तलब

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/21/अप्रैल। स्थानीय थाने के सामने पिछले चार वर्षो से इंसाफ की गुहार लगा रहे पुलिस प्रताड़ना के पीड़ितों की शिकायत पर राज्य मुख्य सूचना आयोग ने कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग ने पंजाब के गृह मामले एवं न्याय विभाग के सुपरिटेंडेंट अशोक डोगरा को 'कारण बताओ नोटिस' (Show-Cause Notice) जारी करते हुए रिपोर्ट तलब की है।

अधिकारियों और नेताओं की मिलीभगत का आरोप

धरना दे रहे पीड़ितों—मनप्रीत कौर, दर्शन सिंह और इकबाल सिंह रसूलपुर ने प्रेस को जारी बयान में आरोप लगाया कि सत्ताधारी नेता और उनके एजेंट बने पुलिस अधिकारी स्थापित कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। पीड़ितों ने कहा कि संविधान की शपथ लेने वाले अधिकारी ही गरीबों के दमन में जुटे हैं, जिससे लोकतांत्रिक ढांचे पर गहरा सवाल खड़ा हो गया है।

हिरासत में प्रताड़ना और केस दर्ज न करने का मामला

पीड़ितों ने बताया कि तत्कालीन थाना प्रभारी गुरिंदर सिंह बल और एएसआई राजवीर सिंह ने उन्हें जबरन अगवा कर डीएसपी गुरजीत सिंह रोमाणा के दफ्तर में अवैध हिरासत में रखा था। आरोप है कि थाना प्रभारी द्वारा बनाए गए 'टॉर्चर रूम' में उन्हें अमानवीय यातनाएं दी गई। अनुसूचित जाति आयोग के हस्तक्षेप के बाद गठित जांच कमेटी ने मामला दर्ज करने के लिए बयान तो दर्ज किए, लेकिन आज तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई। यह तब है जब सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश हैं कि ऐसे मामलों में तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए।

लापरवाही पर लग सकता है जुर्माना

मुख्य सूचना आयुक्त ने गृह विभाग के सुपरिटेंडेंट को आदेश दिया है कि वे 23 अप्रैल को पेश होकर जवाब दाखिल करें। आयोग ने विभाग के लापरवाह रवैये को देखते हुए गृह सचिव आलोक शेखर (IAS) को भी आदेश की प्रति भेजी है। नोटिस में स्पष्ट पूछा गया है कि धारा 20 के तहत देरी और जानकारी देने से इनकार करने के लिए उन पर जुमार्ना क्यों न लगाया जाए और अपीलकर्ता को मुआवजा क्यों न दिया जाए। आयोग ने चेतावनी दी है कि यदि इस बार लिखित जवाब या व्यक्तिगत हाजिरी नहीं हुई, तो एकतरफा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मजदूर और किसान यूनियनों ने खोला मोर्चा

पीड़ितों के समर्थन में आए देहाती मजदूर सभा के सचिव निर्मल सिंह धालीवाल, जसदेव सिंह ललतों (दशमेश किसान मजदूर यूनियन), बलविंदर सिंह कोठे पोना (कीर्ति किसान यूनियन) और अन्य संगठनों के नेताओं ने जिला पुलिस पर दोषियों को बचाने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन चाहे जितनी कोशिश कर ले, संघर्ष के दम पर पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाकर ही दम लेंगे।

गैर-कानूनी ई-फार्मेसी ऑपरेशन के खिलाफ 20 मई को 12.40 केमिस्ट करेंगे भारत बंद

अशोक सहगल

लुधियाना/यूटर्न/21 अप्रैल। इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) की ओर से, जो देश भर में 12.40 लाख से ज्यादा केमिस्ट और डिस्ट्रीब्यूटर को रिप्रेजेंट करते हैं, 1 दिन के लिए देशव्यापी हड़ताल करेंगे पिछले 8 सालों में संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों को कई बार बताने के बावजूद, इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया गया है। इसकी बढ़ती गंभीरता को देखते हुए, बैंड का आह्वान किया गया है इस हड़ताल में 12.40 लाख से ज्यादा केमिस्ट और लगभग 4 से 5 करोड़ डिपेंडेंट लोगों की शमूलियत रहेगी। यह जानकारी देते हुए संगठन के राष्ट्रीय प्रधान जेएस शिंदे तथा महासचिव राजीव सिंगल ने बताया कि यह गंभीर चिंता की बात है कि सरकार द्वारा नोटिफाई किए गए एक साफ और लागू करने लायक रेगुलेटरी फ्रेमवर्क की कमी के बावजूद, गैर-कानूनी ई-फामेसी देश भर में बिना किसी रोक-टोक के चल रही हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा माननीय न्यायालयों के समक्ष प्रस्तुत हलफनामे के बावजूद यह अनियंत्रित प्रसार जारी है, जिससे नियामक प्राधिकरण और कानून के शासन दोनों को कमजोर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ई-फामेसी आधुनिक तकनीक की एक शाखा है। इंटरनेट फामेसी के लाभों का प्रचार सुविधा है; कम कीमत पर दवाओं की डोर डिलीवरी की अनुमति है, लेकिन निम्नलिखित सबमिशन को पढ़ने पर, यह देखा जाएगा कि यह सच नहीं है। प्रस्तुत तस्वीर भ्रामक है और तथ्यों को छिपा रही है। प्रस्तावित विनियमन नागरिकों के जीवन को खतरे में डालेगा और समाज के लिए खतरनाक खतरा होगा जैसा कि नीचे विस्तार से बताया गया है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस Sara Ali Khan एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं।

सिल्वर हाई-स्लिट आउटफिट में उनका बोल्ड अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है, वहीं कुछ यूजर्स इसे लेकर अलग-अलग रिएक्शन दे रहे हैं। इस लुक ने इंटरनेट पर बहस छेड़ दी है—कोई इसे 'स्टनिंग' बता रहा है तो कोई 'ओवर-बोल्ड' कह रहा है। फिलहाल, सारा का यह अवतार ट्रेंडिंग में है और फैंस की नजरें उन पर टिकी हुई हैं।

जीएचजी एकेडमी में भक्त धन्ना जी का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/21/अप्रैल। जी.एच.जी. एकेडमी, जगरांव में भक्त धन्ना जी का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) अत्यंत श्रद्धा, अटूट विश्वास और उत्साह के साथ मनाया गया। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों के जीवन में सादगी, समर्पण और अटूट विश्वास जैसे महान गुणों का संचार करना था।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं:

इंटर-हाउस शबद गायन प्रतियोगिता: स्कूल के 'दरबार साहिब' के पवित्र वातावरण में व्यक्तिगत स्तर पर शबद गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

मूल्यांकन के आधार: विद्यार्थियों की प्रतिभा को आवाज की गुणवत्ता, उच्चारण की स्पष्टता, ताल, लय और पारंपरिक सिख पहनावे (बाणा) के आधार पर परखा गया।

बिग बेन साइकिल पार्ट्स फैक्ट्री में आग, जनरेटर शॉर्ट सर्किट बना कारण; बड़ा हादसा टला

लुधियाना/यूटर्न/21 अप्रैल। औद्योगिक क्षेत्र ग्यासपुरा में मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब ढंडारी के पास बिग बेन साइकिल पार्ट्स निर्माण इकाई में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में रोजमर्रा की तरह उत्पादन कार्य चल रहा था। दोपहर करीब 2 बजे अचानक जनरेटर रूम से धुआं उठता दिखाई दिया, जो देखते ही देखते तेज आग में बदल गया। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे फैक्ट्री परिसर में अफरातफरी मच गई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण जनरेटर में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दमकल कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए आग को फैलने से रोक दिया। कड़ी मशक्कत के बाद कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि सभी कर्मचारी समय रहते सुरक्षित बाहर निकल आए। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। आग बुझने के बाद प्रशासन और फैक्ट्री प्रबंधन ने राहत की सांस ली, जबकि इलाके में स्थिति अब सामान्य बताई जा रही है।

Uturn Time 22 Apr 2026_Layout 2 21-04-2026 23:24 Page 12

INDIA गठबंधन की कमान राहुल के बजाय प्रियंका को सौंपने की मांग तेज; तेज प्रताप ने सबसे पहले समर्थन दिया

चंडीगढ़ /यूटर्न/21 अप्रैल। जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव ने मंगलवार को खुले तौर पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को INDIA गठबंधन का चेहरा बताया, और साथ ही उनके भाई और विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमला भी बोला। पटना में बोलते हुए, जनशक्ति नेता ने कहा कि केवल प्रियंका गांधी ही INDIA गठबंधन को आगे ले जा सकती हैं, और उन्होंने उनकी तुलना इंदिरा गांधी से की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी इस गठबंधन को नहीं चला पाएंगे।

इसे केवल प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं; वह इंदिरा गांधी जैसी हैं। राहुल गांधी से यह चलने वाला नहीं है (राहुल गांधी इसे नहीं चला सकते)—कभी यात्रा पर निकल जाते हैं, कभी बुलेट पर बैठ जाते हैं; नीतीश कुमार जी चले गए, कोई और उठ बन गया। उनका मकसद क्या है? उन्होंने कहा। यादव की यह टिप्पणी राहुल गांधी के उस आरोप के जवाब में आई, जिसमें उन्होंने जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख के हाल ही में राज्य की राजनीति से अलग होने के बाद नीतीश कुमार पर समझौता करने का आरोप लगाया था।

राहुल गांधी अभी नीतीश कुमार के बारे में बात कर रहे हैं—कुमार ने अपनी खुद की कुर्सी छोड़ दी, और अब कोई और मुख्यमंत्री बन गया है। वह (गांधी) तो दूसरे राज्य में हैं, तो फिर बिहार की सीट को लेकर इतनी लालच क्यों दिखा रहे हैं? यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस नेता को ऐसी टिप्पणियों का सामना करना पड़ा हो, जो गठबंधन को चलाने की उनकी काबिलियत पर सवाल उठाती हैं।

इस साल जनवरी में, कांग्रेस के पूर्व नेता शकील अहमद ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस में कोई आंतरिक लोकतंत्र नहीं है और राहुल गांधी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को बाहर निकालना चाहते हैं—मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार। कांग्रेस में ऐसे कई नेता हैं जो राहुल गांधी के राजनीति में आने से बहुत पहले से राजनीति में सक्रिय हैं। जिस दिन राहुल गांधी जी ने अपना पहला चुनाव जीता था, मैंने अपना पांचवां चुनाव जीता था। मेरा मानना है कि उन्हें उन लोगों के साथ बैठने में असहजता महसूस होती है जो उन्हें अपना बॉस नहीं मानते। मुझे यह काफी समय से महसूस हो रहा था, लेकिन जब आप पार्टी में रहते हैं तो ऐसी बातें नहीं कहते, अहमद ने कहा था।

उन्हें अपरिपक्व बताते हुए, कांग्रेस नेता उदित राज ने सुझाव दिया कि यादव को सिर्फ बकवास करने के बजाय अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी उन्हें गंभीरता से नहीं लेता... हालाँकि, कांग्रेस के भीतर और बाहर ऐसे नेता हैं, जो मानते हैं कि प्रियंका 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व राहुल गांधी से बेहतर ढंग से कर सकती हैं। G-23 समूह के कई नेता लंबे समय से ऐसा ही सोचते रहे हैं। 'इंडिया' गठबंधन के भी कई नेता, जो अपना नाम जाहिर नहीं करना चाहते, प्रियंका के पक्ष में आवाज उठा रहे हैं।

सभी देशों में से ट्रंप का पाकिस्तान के अलावा कोई दोस्त नहीं; शांति समझौते के लिए जल्द कर सकते हैं यात्रा

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू करने की गति बढ़ रही है, और ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि बातचीत बुधवार से ही फिर से शुरू हो सकती है। रॉयटर्स ने बातचीत में शामिल एक पाकिस्तानी सूत्र के हवाले से कहा कि बातचीत फिर से शुरू करने की दिशा में हलचल हो रही है, और संकेत दिया कि अगर कोई समझौता होता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप या तो खुद आकर या फिर वर्चुअली (ऑनलाइन) इसमें शामिल हो सकते हैं।

सूत्र ने मंगलवार को नाम न छापने की शर्त पर कहा, ?चीजें आगे बढ़ रही हैं, और कल होने वाली बातचीत सही रास्ते पर है। अमेरिका ने भरोसा जताया है कि दुश्मनी खत्म करने के मकसद से होने वाली बातचीत, लगातार बनी अनिश्चितता के बावजूद आगे बढ़ सकती है, भले ही संघर्ष-विराम की अवधि खत्म होने वाली हो।

एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी के हवाले से यह भी कहा गया कि तेहरान इस बात पर ?सकारात्मक रूप से विचार कर रहा है? कि वह बातचीत में शामिल हो या नहीं, जबकि पहले उसने इस प्रक्रिया में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि, अधिकारी ने जोर देकर कहा कि अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। वॉशिंगटन एक ऐसे समझौते की तलाश में है जो तेल की कीमतों और वित्तीय बाजारों में और अधिक

उतार-चढ़ाव को रोक सके। ट्रंप का हमेशा से यही कहना रहा है कि किसी भी समझौते में यह सुनिश्चित होना चाहिए कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने के साधन न मिलें।

अपनी तरफ से, तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने रणनीतिक नियंत्रण का इस्तेमाल करके प्रतिबंधों से राहत पाने और युद्ध फिर से शुरू होने से बचने की कोशिश कर रहा है, साथ ही यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि उसके परमाणु कार्यक्रम पर कोई रोक न लगे। इस्लामाबाद में हुई बातचीत के पिछले दौर बिना किसी सफलता के खत्म हो गए थे, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव बढ़ गया था। प्रगति के संकेत मिलने के बावजूद, तनाव अभी भी काफी ज्यादा है, खासकर ईरान द्वारा अमेरिका की निंदा किए जाने के बाद। ईरान ने सप्ताहांत में अपने एक वाणिज्यिक जहाज 'तौस्का' पर हुए हमले को लेकर अमेरिका की कड़ी आलोचना की थी। तेहरान ने जहाज, उसके चालक दल और उनके परिवारों को तुरंत रिहा करने की मांग की। समुद्री सुरक्षा सूत्रों ने संकेत दिया कि वॉशिंगटन को शक है कि जहाज में ऐसी दोहरे उपयोग वाली सामग्री हो सकती है जिसका संभावित रूप से सैन्य कार्यों में इस्तेमाल किया जा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि जहाज ने छह घंटे तक चले गतिरोध के दौरान बार-बार दी गई चेतावनियों का पालन नहीं किया और अमेरिकी नाकाबंदी का उल्लंघन किया। ईरानी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदार चीन ने भी इस घटना पर चिंता जताई, जिसे उसने जबरन रोका जाना (forced interception) करार दिया। ट्रम्प ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अपनी स्थिति दोहराई ट्रम्प ने कहा कि ईरान आखिरकार बातचीत में शामिल होगा, लेकिन उन्होंने वाशिंगटन की इस स्थिति को दोहराया कि तेहरान को परमाणु हथियार बनाने की क्षमता विकसित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जॉन फ्रेडरिक्स मीडिया नेटवर्क पर ट्रम्प ने कहा, वे बातचीत करेंगे, और उम्मीद है कि वे एक निष्पक्ष समझौता करेंगे, और वे अपने देश को फिर से खड़ा करेंगे, लेकिन उनके पास - जब वे ऐसा करेंगे - तो उनके पास परमाणु हथियार नहीं होगा।

ईरानी अधिकारियों ने वाशिंगटन की हालिया कार्रवाइयों की आलोचना की है; विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने कहा कि कथित संघर्ष-विराम उल्लंघन कूटनीति के रास्ते में एक बड़ी बाधा हैं।

भाजपा ने उठाई चंडीगढ़वासियों की आवाज, राज्यपाल से मांगी राहत

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा लगातार जारी किए जा रहे नोटिसों के कारण शहर के निवासियों में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है। हाल ही में विभिन्न समाचार पत्रों में सेक्टर-29 और सेक्टर-30 के मकानों को तोड़ने तथा अन्य सख्त कार्रवाई की खबरों से लोगों की परेशानियां और बढ़ गई थीं। इन गंभीर समस्याओं को लेकर आज भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल गुलाब चंद कटारिया, राज्यपाल (पंजाब एवं प्रशासक, चंडीगढ़) से मिला और शहरवासियों को राहत प्रदान करने की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व महापौर हरप्रीत कौर बबला, भाजपा उपाध्यक्ष दविंदर बबला, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता, सेक्टर-29 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश अरोड़ा, तथा वेलफेयर एसोसिएशन के श्री होशियार सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल महोदय को अवगत कराया कि हाउसिंग बोर्ड के नोटिसों और संभावित कार्रवाई के कारण आम नागरिक मानसिक तनाव में हैं। उन्होंने निवेदन किया कि इस विषय में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए चंडीगढ़ के निवासियों को राहत प्रदान की जाए। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर इस पूरे विषय पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से इच्छुक है कि चंडीगढ़ के लोगों को राहत मिले और जो भी उचित एवं व्यवहारिक समाधान होगा, उसे लागू किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल महोदय का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि जल्द ही इस समस्या का समाधान निकालकर शहरवासियों को राहत दी जाएगी।

चंडीगढ़ के सरकारी स्कूल में 24 महिला कर्मचारियों ने सहकर्मी पर उत्पीड़न के लगाए आरोप, कार्रवाई का इंतजार

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अप्रैल। शहर के एक सरकारी स्कूल में 24 महिला कर्मचारियों ने एक पुरुष सहकर्मी के खिलाफ उत्पीड़न, धमकी और अभद्र व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत दर्ज होने के दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आरोपी अब भी उसी स्कूल में तैनात है और कथित पीड़ितों के साथ ही कार्यालय साझा कर रहा है। जानकारी के अनुसार, 12 फरवरी को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम के तहत स्कूल की आंतरिक शिकायत समिति (ICC) को लिखित शिकायत सौंपी गई थी। शिकायत में कहा गया कि आरोपी शिक्षक के व्यवहार से स्कूल का माहौल असुरक्षित, अपमानजनक और प्रतिकूल बन गया है। महिला कर्मचारियों ने शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपी द्वारा अपमानजनक और लैंगिक टिप्पणी, मौखिक धमकियां, डराने-धमकाने की कोशिशें और अनुचित शारीरिक व्यवहार किया गया। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यह कोई एक-दो घटनाएं नहीं, बल्कि लंबे समय से जारी एक पैटर्न है।

शिकायतकर्ताओं की मांग...24 महिला कर्मचारियों ने मांग की है कि मामले को तत्काल दर्ज कर त्वरित जांच कराई जाए और पीड़ितों की सुरक्षा के लिए अंतरिम कदम तुरंत उठाए जाएं। उनका कहना है कि आरोपी की मौजूदगी में वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार। Contact - +91 9814295372